ओम सांई राम
सुरभि बोरवेल्स
SURBHI BORWELL'S
7, 6 एवं 4.5 नलकूप खनन
हेतु संपर्क करें

संदीप मिश्रा
मो.-9826106555,
9329023102
रिसाली, कृष्णा टॉकीज रोड, डॉ. विपिन अरोरा के बाजू में,
एक्सिस बैंक के एटीएम के पीछे, भिलाई (छ.ग.)

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

साझा करें अपने मित्रों से
सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग
लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल
वर्ष- 13, अंक - 301
श्रीकंचनपथ ONLINE
visit us http://www.shreekanchanpath.com
भिलाई, गुरूवार 18 अगस्त 2022
पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

बिहार में सत्ता बदलते ही बदमाशों के हौसले बुलंद, दिन-दहाड़े छात्रा को मारी गोली

पटना (एजेंसी)। बिहार में सत्ता बदलते ही बदमाशों के हौशले बुलंद हो गए हैं। बिहार की राजधानी पटना में 15 साल की छात्रा को बदमाश ने गोली मार दी। सुबह छात्रा ट्यूशन से लौट रही थी इस दौरान बदमाश ने चार कदम पीछा किया और प्वाइंट ब्लॉक पर पिस्तौल रख गोली मारी और वहां से भाग गया। पूरी घटना सीसी कैमरे में रिकार्ड हो गई है। छात्रा की हालत गंभीर है और उसका इलाज चल रहा है। वहीं पुलिस बदमाश की तलाश में है।

घटना पटना के बेऊर थाना क्षेत्र के सिपारा इलाके की है। 15 साल की काजल कुमारी को गोली मारी गई। काजल कक्षा 9वीं की स्टूडेंट है। कोचिंग से वापस अपने घर पैदल जा रही थी। कोचिंग से लौटते समय जब वह मेन रोड से गली की तरफ मुड़ी तो वहां पहले से एक युवक खड़ा था। छात्रा युवक को क्रास कर जाने लगी तो युवक उसके पीछे आया और झोले से पिस्तौल निकालकर छात्रा पर फायर कर दिया। सीसी टीवी फुटेज में जो तस्वीर सामने आई है उसके अनुसार बदमाश ने सुबह 7:38 बजे इस घटना को अंजाम दिया।

सीसी टीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि बदमाश पहले से छात्रा का इंतजार कर रहा था। कुछ कहने की कोशिश करने पर छात्रा ने नजर अंदाज कर दिया। इसके बाद उसने झोले से पिस्तौल निकाल कर फायर कर दिया। घटना के बाद बदमाश तो भाग गया। बदमाश ने अपना चेहरा छिपाने के लिए टोपी और मास्क लगाया था। गोली लगने से छात्रा वहीं गिर गई। कुछ देर बाद वहां भीड़ जमा हो गई और छात्रा को अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है छात्रा की हालत काफी गंभीर है।

बताया जा रहा है के गोली छात्रा के गर्दन में लगी है। छात्राअपने परिवार के साथ बेउर थाना के तहत इंद्रपुरी रोड नंबर 4 में रहती है। छात्रा के पिता सब्जी के व्यवसायी हैं। इधर इस मामले में बेउर पुलिस का कहना है कि छात्रा के होश में आने व बयान लेने के बाद असली वजह सामने आएगी। पुलिस का कहना है कि बदमाश की पहचान कर ली गई है उसकी तलाश की जा रही है।

मिशन-2023: आरएसएस की तिकड़ी लगाएगी भाजपा की नैय्या पार?

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ भाजपा का मिशन-2023 शुरू हो गया है। संगठन को मजबूत करने और सरकार को आक्रमक रूप से घेरने शीर्ष नेतृत्व ने महत्वपूर्ण पदों पर बदलाव कर दिए हैं। भाजपा की सख्ती के बाद सियासी नेताओं में उथल-पुथल मचा हुआ है। 15 साल तक सत्ता में रहने के बाद 2018 के विधानसभा चुनाव में महज 15 सीटों पर सिमटने वाली भाजपा संगठन को इस स्थिति तक नहीं ला सके हैं कि 2023 के विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता में वापसी हो सके। लगातार हार के बाद भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने राज्य के दिग्गज नेताओं को किनारे करते हुए आरएसएस के नेताओं पर भरोसा जताया है।

भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने छत्तीसगढ़ में भाजपा को सत्ता में लाने की जिम्मेदारी आरएसएस की तिकड़ी राष्ट्रीय सहसंगठन महामंत्री शिवप्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल के साथ भाजपा के नए प्रदेशाध्यक्ष बिलासपुर के सांसद अरुण साव को सौंपी है। भाजपा इनके भरोसे अपनी चुनावी नैया पार लगाना चाहती है। वहीं सरकार को सदन में घेरने धरमलाल कौशिक के स्थान पर नारायण चंदेल को नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बता दें कि लगातार हार और गुटबाजी से भाजपा के प्रदेश नेतृत्व पर सवाल उठते रहे हैं। अब मिशन-2023 से पहले भाजपा बदलाव के एक्शन मोड में नजर आ रही है। अब संगठन महामंत्रियों व जिला अध्यक्षों को बदला जाएगा। बदलाव को लेकर प्रदेश से लेकर जिला संगठन तक हड़कंप मचा हुआ है।

गुटबाजी व खींचतान से संगठन को नुकसान

भाजपा प्रदेश के उन दिग्गज नेताओं को किनारे लगाएगी, जिनके कारण कार्यकर्ता लंबे समय से नाराज हैं। भाजपा ने एक साल पहले राष्ट्रीय सहसंगठन महामंत्री सौदान सिंह की जगह आरएसएस के शिवप्रकाश को कमान सौंपी। प्रदेश के भाजपा प्रभारी डॉ. अनिल जैन के स्थान पर डी. पुरंदेश्नवरी को जिम्मेदारी सौंपी गई। एक सहप्रभारी नितिन नबीन को बनाया गया। नगरीय निकाय और खैरागढ़ उप चुनाव में हार के बाद भाजपा की लगातार बैठकें हो रही। डी. पुरंदेश्वरी व नितिन नबीन लगातार प्रदेशभर का दौरा कर रहे हैं। मंत्रणा हो रही है, लेकिन एक साल में कुछ ज्यादा नहीं हो सका। इसकी वजह प्रदेश में 15 साल तक सत्ता में रहने वाले दिग्गज नेताओं का हावी होना है। कई गुटों में नेता बंटे हुए हैं। खींचतान से संगठन को नुकसान हो रहा है।

बदलाव के संकेतों से भाजपा में मची उथल-पुथल

छत्तीसगढ़ भाजपा की प्रभारी डी. पुरंदेश्वरी खेमों में बंटे नेताओं की गतिविधियों पर नजर रखी रही। राष्ट्रीय नेतृत्व तक जब यह बात पहुंची तब यहां पर छत्तीसगढ़-मध्य प्रदेश के लिए क्षेत्रीय संगठन महामंत्री की नियुक्ति करने का फैसला लिया और आरएसएस के अजय जामवाल को जिम्मेदारी सौंपी। उनकी नियुक्ति काफी पहले हो जाती, लेकिन राष्ट्रपति चुनाव के कारण मामला लटक गया था। जामवाल की नियुक्ति के बाद पहले से तय रणनीति के मुताबिक प्रदेशाध्यक्ष को बदल दिया गया। इसका जिम्मा भी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की पृष्ठभूमि वाले सांसद अरुण साव को सौंपा गया। ऐसे में अब आरएसएस के 3 दिग्गज नेताओं के हाथों में छत्तीसगढ़ भाजपा की कमान आ गई है। वहीं बदलाव के संकेतों को बीच भाजपा में उथल-पुथल जारी है।

कई दिग्गज नेताओं को किनारे लगाएगी भाजपा

छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश की जिम्मेदारी संभाल रहे अध्यक्ष विष्णुदेव साय, नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक को बदले जाने के बाद अब प्रदेश संगठन में महामंत्रियों की विदाई तय है। प्रदेश भाजयुमो के साथ जिला संगठनों में बदलाव होगा। बदलाव को लेकर बैठकों का दौर भी जारी है। 2023 के मद्देनजर बीजेपी अपनी जमीन मजबूत करने बड़े फैसले ले रही है। इसके बाद कुछ ऐसे नेताओं का भी नंबर है, जिनके बारे में राष्ट्रीय संगठन जानता है कि इनके यहां रहते परेशानी होगी और भाजपा को सत्ता में वापस लाना मुश्किल होगा। इन नेताओं के चेहरे की रंगत भी नए प्रदेशाध्यक्ष के पहले रायपुर आगमन के समय देखने को मिल गई थी। यह नेता किसी भी तरह से खुश नजर नहीं आ रहे थे, क्योंकि उन्हें मालूम है कि अब उनकी यहां से उनकी विदाई तय है।

सीपीआरआई करेगा क्षेत्रीय परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित, सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान (सीपीआरआई), बेंगलुरु की मदद से राष्ट्रीय स्तर की प्रयोगशाला और परीक्षण केंद्र की स्थापना होगी। इसकी जानकारी जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों ने बुधवार को दी।

एक अधिकारी ने कहा कि बेंगलुरु स्थित सेंट्रल पावर रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीपीआरआई) ने बुधवार को छत्तीसगढ़ सरकार के साथ रायपुर जिले में एक क्षेत्रीय परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

अधिकारी ने कहा कि समझौते के अनुसार नवा रायपुर अतर नगर के सेक्टर-30 में 10 एकड़ क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर की परीक्षण इकाई स्थापित की जाएगी जिसमें ट्रांसफार्मर, ऊर्जा मीटर, ट्रांसफार्मर तेल, स्विच फ्यूज इकाई और अन्य बिजली के परीक्षण की सुविधा होगी।

उन्होंने कहा कि बिजली कंपनियों को उपकरणों की जांच में 20 फीसदी की छूट मिलेगी। इससे समय और राजस्व की बचत होगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ ऊर्जा विभाग के सचिव अंकित आनंद और सीपीआरआई के अतिरिक्त निदेशक बीए सावले के बीच मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उपस्थिति में उनके सरकारी आवास पर अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए।

उन्होंने बताया कि केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अधीन गठित सार्वजनिक उपक्रम है, जिसका मुख्यालय कर्नाटक के बेंगलुरु में है।

एक साथ 15 दोषियों को फांसी की सजा, जेल में साथी कैदी की पीट-पीटकर कर दी थी हत्या

जमशेदपुर (एजेंसी)। झारखंड के जमशेदपुर में हत्या के एक केस में 15 दोषियों को फांसी की सजा सुनाई गई है। जमशेदपुर की घाघीडीह जेल में कैदियों ने उसी जेल में बंद कैदी मनोज सिंह की पीट- पीटकर मार डाला था। घटना 25 जून 2019 की है, मृतक मनोज सिंह गैंगस्टर अखिलेश सिंह गिरोह का सदस्य था। एडीजे-4 ने 15 कैदियों को फांसी की सजा सुनाई है। जमशेदपुर में पहली बार एक साथ इतने लोगों को फांसी की सजा सुनाई गई है।

सभी दोषी कैदी घाघीडीह जेल में बंद हैं। जिन्हें फांसी की सजा सुनाई गई, उसमें वासुदेव महतो, अरूप कुमार बोस, अजय मल्लाह, गोपाल तिरिया, श्यामू जोजो, शिव शंकर पासवान, गंगा खंडैत, जानी अंसारी, पंचानंद पात्रो, पिंकू पूर्ति, संजय दिग्घी, शरद गोप, राम राय सुरीन आदि शामिल हैं। मृतक मनोज सिंह गैंगस्टर अखिलेश सिंह गिरोह का सदस्य था और जेल में ही उसकी पीट-पीट कर हत्या कर दी गई थी। वह मनीफिट का रहने वाला था।

भुगतान प्रक्रिया में प्रस्तावित बदलावों पर आरबीआई का नया कदम, लोगों से मांगे सुझाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक ने भुगतान प्रक्रिया में प्रस्तावित बदलावों पर आम लोगों की राय मांगी है। इन बदलावों में यूपीआई के जरिए भुगतान करने करने पर चार्ज वसूले जाने का प्रस्तावित बदलाव भी शामिल है। बता दें कि आरबीआई ने डेवलपमेंट एंड रेगुलेटरी पॉलिसी के तहत बीते वर्ष 8 दिसंबर को एक डिस्कशन पेपर रिलीज किया था जिनमें भुगतान प्रक्रियाओं पर चार्जेज वसूले जाने की बात कही गई थी। इस डिस्कशन पेपर को 17 अगस्त को रिलीज किया गया है। इसी पर आरबीआई ने आम लोगों से सुझाव मांगे हैं। आरबीआई ने कहा है कि लोगों को अपना सुझाव तीन अक्टूबर 2022 तक ईमेल के माध्यम से देना है।

नारायणपुर में सर्चिंग पर निकले जवानों को मिली बड़ी सफलता, 8 लाख की इनामी महिला नक्सली गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में एंटी नक्सल ऑपरेशन में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। आईटीबीपी, जिला बल और डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) की संयुक्त पुलिस पार्टी ने सर्चिंग के दौरान एक संदिग्ध महिला को पकड़ा है। महिला की पहचान पूर्व बस्तर डिविजन के कंपनी नंबर 6 की सदस्य सुखमति कुमेटी उर्फ रीमा के तौर पर पहचान हुई। महिला नक्सली पर राज्य सरकार ने 8 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। महिला नक्सली फोर्स को नुकसान पहुंचाने सहित कई बड़ी वारदातों में शामिल रही है। महिला माओवादी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

एसपी सदानंद कुमार ने बताया कि 16 अगस्त को आईटीबीपी, डीआरजी, जिला पुलिस बल, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के जवान ओरछा थाना से एरिया डॉमिनेशन के लिए ग्राम कोडोली आदेरबेड़ा, मुसनार, कावानार की ओर निकली थी। सर्चिंग के दौरान ग्राम कावानार के जंगल में कुछ संदिग्ध महिला-पुरुष पुलिस पार्टी को देखकर भागने लगे। पुलिस की टीम ने घेराबंदी कर एक संदिग्ध लड़की को पकड़ा। पूछताछ करने पर उसने छोटे टोण्डाबेड़ा थाना ओरछा निवासी सुखमति कुमेटी उर्फ रीमा पिता मंगतु कुमेटी के तौर पर अपनी पहचान बताई। उसने पुलिस को माओवादी संगठन के लिए काम करना बताया।

कई बड़ी वारदातों में शामिल रही महिला नक्सली

एसपी सदानंद ने बताया कि महिला ने पूछताछ में बताया कि वर्ष 2018 में टोण्डेबेड़ा मिलिशिया कमांडर मनोज ने मिलिशिया में भर्ती कराया था, जिसके बाद से वह पूर्व बस्तर डिविजन के कंपनी नंबर-6 की सदस्य के रूप में कार्य कर रही थी। उसने 4 मार्च 2020 को साप्ताहिक बाजार ओरछा में प्रधान आरक्षक रामप्रसाद भगत पर टंगिया से वार कर घायल किया और इंसास रायफल लूटा था। इसे अलावा 11 नवंबर 2020 को ग्राम कड़ेनार, चिकपाल के पास आईईडी विस्फोट, 21 मई 2021 को अमदईघाटी में आईईडी लगाने 28 मई 2021 को चिकपाल पुलिया के पास आईईडी लगाने और 20 जुलाई 2021 को अमदईघाटी में मुठभेड़ की घटना में शामिल थीं। गिरफ्तार महिला नक्सली कई जवानों की हत्या में शामिल रही है।

छत्तीसगढ़ में कोरोना के 289 नए मरीज मिले, 2 की मौत, एक्टिव केस डेढ़ हजार, पॉजिटिविटी दर में आई कमी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण की बढ़ती रफ्तार ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। बुधवार को प्रदेश में 289 नए मरीज मिले हैं। प्रदेश में एक्टिव मरीजों की संख्या 1530 पहुंच गई है। सबसे ज्यादा 176 दुर्ग व 162 एक्टिव केस रायपुर जिले में हैं। कोरोना से रायपुर व रायगढ़ जिले में 1-1 मरीज की मौत भी हुई है। स्वास्थ्य विभाग ने वैक्सीनेशन में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश में कोरोना के साथ स्वाइन फ्लू के मरीज भी मिल रहे हैं। 13 जिलों में स्वाइन फ्लू के अब तक 50 मरीज मिल चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग ने सावधानी बरतने अलर्ट जारी किया है।

राज्य कंट्रोल एंड कमांड सेंटर के मुताबिक बुधवार को 10 हजार 517 सैंपलों की जांच की गई, जिसमें 289 नए संक्रमित मिले हैं। दुर्ग और रायपुर जिले में सबसे ज्यादा 34-34 मरीजों की पुष्टि हुई है। पिछले 24 घंटे में 224 लोगों ने होम आइसोलेशन पूरा किया है। वहीं 22 लोग हॉस्पिटल से डिस्चार्ज हुए हैं। प्रदेश में पॉजिटिविटी दर 2.75त्न है, जिसमें पहले की अपेक्षा थोड़ी कमी हुई है। छत्तीसगढ़ में कोरोना से अब तक 14 हजार 93 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं अब तक 11 लाख 71 हजार 483 लोग संक्रमित हो चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग ने मंकीपॉक्स व स्वाइन फ्लू को लेकर सभी जिलों को अलर्ट जारी किया है।

प्रदेश के इन जिलों में मिले कोरोना के मरीज

24 घंटे में प्रदेश के 24 जिलों में कोरोना के 289 नए मरीज मिले हैं। रायपुर व दुर्ग जिले में 34-34, बलरामपुर में 25, राजनांदगांव में 22, सरगुजा में 20, बालोद में 18, धमतरी में 16, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही एवं महासमुंद में 14-14, कांकेर में 13, गरियाबंद में 11, कोरबा व कोंडागांव में 10-10, जशपुर में 8, बेमेतरा व बलौदाबाजार में 7-7, सूरजपुर, कोरिया व बिलासपुर में 5-5, रायगढ़ में 4, बस्तर में 3, सुकमा में 2, नारायणपुर, जांजगीर-चांपा में 1-1 मरीज मिले हैं। राज्य नोडल अधिकारी डॉ. सुभाष मिश्रा ने कहा कि सावधानी जरूरी है। सभी कोविड गाइडलाइंस का पालन करें। कोरोना से बचाव के लिए मास्क का उपयोग करें और लक्षण होने पर टेस्ट जरूर करा लें।

कोरबा में हाथी ने ग्रामीण को कुचला, कटघोरा वन मंडल में 24 हाथियों का दल मौजूद, विभाग ने जारी किया अलर्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ में हाथियों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है। कोरबा जिले के कटघोरा वन मंडल में हाथी के हमले से एक ग्रामीण की मौत हो गई। ग्रामीण जंगल की तरफ जा रहा था। इसी दौरान हाथियों से उसका सामना हो गया। ग्रामीण कुछ समझ पाता उससे पहले ही हाथी ने उसे सूंड से उठाकर पटक दिया और पैरों से कुचल दिया। ग्रामीण की घटना स्थल पर मौत हो गई। घटना कटघोरा वन मंडल के पसान रेंज के ग्राम खमरिया में हुआ है।

मिली जानकारी के मुताबिक पसान फॉरेस्ट रेंज में पिछले कुछ दिनों से 24 हाथियों का दल डेरा जमाए हुए है। रघुवर सिंह जंगल की तरफ जा रहा था, तभी उसका हाथियों से सामना हो गया। हाथी ने रघुवर सिंह पर अचानक हमला कर दिया। उसे सूंड से उठाकर पटक दिया और पैरों से कुचल कर मार डाला। हाथी काफी देर तक लाश के पास मौजूद रहे। सूचना पर वन विभाग व पुलिस की टीम गांव पहुंची। पुलिस ने शव पीएम के लिए भिजवाया।

जंगल की तरफनहीं जाने कराई गई मुनादी

बता दें कि 24 हाथियों का दल क्षेत्र में लगातार विचरण कर रहा है। हाथियों ने फसलों को भी रौंद दिया है, जिससे किसानों को काफी नुकसान हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि हाथियों के कारण उनका जीना मुश्किल हो गया है, लेकिन वन विभाग कुछ नहीं कर पा रहा है। हाथियों ने कई घरों को भी तोड़ दिया है। ग्रामीण की मौत के बाद वन विभाग ने गांव के लोगों को हाथियों की मौजूदगी वाले जंगल की ओर नहीं जाने के लिए मुनादी भी करवाई है।

बालोद और राजनांदगांव जिले में हाथियों से दहशत

दुर्ग संभाग के राजनांदगांव और बालोद जिले में भी हाथियों का उत्पात जारी है। पिछले सप्ताह दोनों ही जिलों में हाथियों के कुचलने से बुजुर्ग महिला समेत 2 लोगों की मौत हो चुकी है। राजनांदगांव के मोहला मानपुर क्षेत्र के ग्राम भैंसबोड़ में हाथियों ने संतराम मंडावी (45 वर्ष) को कुचल दिया था। वहीं बालोद जिले में 11 अगस्त को हाथी के कुचलने से बुजुर्ग महिला की मौत हुई थी। 1 अगस्त को हाथियों ने बालोद के मुल्ले में एक किसान को कुचल दिया था।

सुपेला रेलवे फाटक और मुंह में दही

दीपक रंजन दास

दूध के साथ दही को भी खान-पान में श्रेष्ठ स्थान हासिल है. इसे शुभ भी माना गया है. चरणामृत में तो यह जाता ही है, शुभ कार्यों के लिए जाते समय लोग दही-शक्कर खाकर जाते हैं. परीक्षा देने के लिए जाते समय बच्चे दही का टीका भी लगा लेते हैं. पर यही दही जब मुंह में जमा ली जाए तो सबकुछ निगेटिव हो जाता है. मुंह में दही जमा लेना श्रेष्ठ नौकर होने का गुण है. देश छोटा हो या बड़ा, सरकार चौक-चौराहे पर नहीं बैठी होती. स्थल पर उसके नुमाइंदे ही होते हैं. नुमाइंदे मुंह में दही जमा लेते हैं तो अच्छा खासा काम भी दुष्प्रचार का सबब बन जाता है. इन दिनों यही सबकुछ हो रहा है सुपेला के रेलवे फाटक पर. रेलवे का यह व्यस्ततम रूट है. बीच शहर होने के कारण सड़क पर भी यातायात का भारी दबाव है. हाल ही में पुलिस द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है कि प्रतिदिन औसतन इस रेलवे फाटक से 1.7 लाख से भी अधिक वाहनों का आना जाना होता है. बार-बार फाटक बंद होने के कारण यहां जाम भी लग जाता है. दशकों पहले से यहां ओवरब्रिज या अंडरब्रिज की मांग की जा रही है. विडम्बना यह रही कि मांग सुपेला से उठती रही और अंडरब्रिज कभी चंद्रा मौर्या के पास तो कभी प्रियदर्शिनी परिसर के पीछे बनता रहा. आखिरी दो अंडरब्रिज नेहरू नगर और पावर हाउस में बने हैं. चार-चार अंडरब्रिज बनने के बाद भी यहां की समस्या जस की तस है. पटरी को पार करने के लिए इसके अलावा दो ओवर ब्रिज भी हैं पर वो भी नेहरू नगर और पावर हाउस में हैं. अब जाकर सरकार ने सुपेला में अंडरब्रिज का काम शुरू करने का फैसला किया है. कहां तो इस फैसले का स्वागत किया जाता, इसका विरोध शुरू हो गया है. कारण केवल मौसम है. बारिश के दौरान काम शुरू होने पर लगभग पौने दो लाख लोगों को वैकल्पिक रास्ता तलाशना पड़ेगा. चंद्रा मौर्या और प्रियदर्शिनी परिसर का अंडरब्रिड बारिश के दिनों में डूब जाता है. पानी भरे अंडरब्रिज में कई हादसे हो चुके हैं. सरकार ने काम शुरू करने को कहा है. अब यह जिम्मेदारी यहां बैठे लोगों की है कि वे वस्तुस्थिति से अवगत कराएं और उसकी तिथि को आगे बढ़ाएं. पर यहां तो मुंह में दही जमा हुआ है. कोई वह नहीं बोलेगा जो उसे बोलना चाहिए. वह केवल आदेश की कापी दिखाएगा. इससे जनता भड़केगी, कुछ नए नेता उभरेंगे. कोई नाम कमाएगा तो कोई बदनाम भी होगा. 'मुंह में दही' संस्कृति अच्छे-अच्छों को ठिकाने लगा चुकी है. ऊपर बैठे लोगों को लगता है, नीचे सबकुछ ठीक है. कदाचित राख में दबी चिंगारी उन्हें दिखाई नहीं देती. तकरीबन सभी सरकारी योजनाओं की वाट इसी संस्कृति के कारण लगती रही है.

संपादकीय

श्रीलंका में चीन

भारत और अमेरिका के न चाहने के बावजूद श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह पर चीनी पोत का पहुंचना अगर चिंता की एक वजह बन गया है, तो कोई आश्चर्य नहीं। इसे एक हाई-टेक अनुसंधान पोत बताया जा रहा है, लेकिन वास्तव में इसकी कमान चीनी सेना के पास रहती है। चीनी सेना के दिशा-निर्देशों पर चलने वाले पोत को चीन अपने शोध अभियान का हिस्सा बता रहा है, लेकिन श्रीलंकाई राष्ट्रपति के प्रतिनिधि ने इसे शांति अभियान का हिस्सा बता दिया है। हालांकि, 222 मीटर लंबे इस पोत पर 2,000 से ज्यादा लोग सवार हैं, क्या ये सभी वैज्ञानिक हैं? क्या वे श्रीलंका के करीब के समुद्र पर शोध के लिए निकले हैं? क्या चीन के पास समुद्री शोध के लिए और जगह नहीं है? सैटेलाइट, एंटीना और रडार से लैस इस युआन वांग-5 नामक पोत के प्रति क्या भारत की चिंता अतिरेक है? वैसे चीन के जवाब को देखें, तो वह आश्वस्त करने की कोशिश के साथ-साथ चेतावनी की भाषा बोलते हुए तनिक भी हिचक नहीं रहा है। उसके श्रीलंका पदस्थ राजदूत ने हंबनटोटा में कहा है कि पोत की गतिविधियों से किसी भी देश की सुरक्षा प्रभावित नहीं होगी और किसी भी 'तीसरे पक्ष' द्वारा इसे 'बाधित' नहीं किया जाना चाहिए। वास्तव में, इस विशालकाय पोत से भारत को प्रत्यक्ष खतरा यह है कि यह पोत भारत में ओडिशा तक नजर रख सकता है। परोक्ष खतरा यह है कि इससे भारत समुद्री मोर्चे पर सामरिक रूप से न सही, रणनीतिक रूप से असहज होने जा रहा है। चीन जब भारत से लगती सीमा पर लगातार तनाव बनाए हुए है, तब दक्षिण में हंबनटोटा में उसकी मौजूदगी अगर अमेरिका को भी चिंतित कर रही है, तो भारतीय रणनीतिकारों को ज्यादा सचेत हो जाना चाहिए। चीनी सेना के लिए जासूसी करने वाले पोत को अगर श्रीलंका ने बार-बार आने या ज्यादा दिन तक टिकने की मंजूरी दी, तो भारत के लिए शायद एक नया मोर्चा खुल जाएगा। पहले भारत दक्षिण की ओर से आश्वस्त रहा है, लेकिन अब श्रीलंका की आर्थिक तबाही ने परोक्ष रूप से भारत को भी प्रभावित किया है। श्रीलंका की मजबूरी है कि वह चीन को तवज्जो दे, क्योंकि अगर वह तवज्जो नहीं देगा, तो श्रीलंका को मिलने वाले अंतरराष्ट्रीय ऋण में परेशानी होगी। संयुक्त राष्ट्र में चीन इस स्थिति में है कि वह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा दी जाने वाली मदद को रोक सकता है। श्रीलंका की मजबूरी भारत के लिए मुसीबत बन सकती है। अभी श्रीलंका के पास ज्यादा विकल्प भी नहीं हैं और भारत भी सिवाय सतर्क रहने के कुछ खास करने की स्थिति में नहीं है। चीन दुनिया में बदलते हालात का अधिकतम फायदा उठा रहा है। वह मजबूत श्रीलंका अब अतीत की बात है, जिसने हंबनटोटा बंदरगाह से कभी चीन को विदा कर दिया था। नई बात नहीं है, चीन को ऐसे ही मौके की तलाश रहती है। उस पाकिस्तान का भी हाल कुछ अलग नहीं है, जिसे चीन लौह मित्र कहता है। चीन का सदाबहार लौह मित्र किस तरह से गुजारा कर रहा है, यह सच्चाई छिपी नहीं है। जहां तक भारत का प्रश्न है, जासूसी से बचना मुश्किल है। समाधान इसी में है कि भारत स्वयं को तकनीक, कूटनीति और सामरिक रूप से मजबूत करे। परेशानी से गुजर रहे श्रीलंका के साथ चीन का संबंध बना रहेगा, पर भारत को इसी वजह से श्रीलंका के साथ अपने संबंध तनावपूर्ण नहीं बनाने चाहिए। बेशक, चीन पर कड़ी निगाह रखना हमारा एक सतत कार्य बन गया है।

> श्रीलंका की मजबूरी है कि वह चीन को तवज्जो दे, क्योंकि अगर वह तवज्जो नहीं देगा, तो श्रीलंका को मिलने वाले अंतरराष्ट्रीय ऋण में परेशानी होगी। संयुक्त राष्ट्र में चीन इस स्थिति में है कि वह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा दी जाने वाली मदद को रोक सकता है। श्रीलंका की मजबूरी भारत के लिए मुसीबत बन सकती है। अभी श्रीलंका के पास ज्यादा विकल्प भी नहीं हैं और भारत भी सिवाय सतर्क रहने के कुछ खास करने की स्थिति में नहीं है।

अर्जुन और सुदामा

महाभारत काल में हम दो व्यक्तियों को श्रीकृष्ण के काफी करीब पाते हैं- अर्जुन और सुदामा। दोनों उनके प्रिय थे। एक बार एक गुरु ने अपने शिष्यों से पूछा, बताओ, इन दोनों में से कौन श्रीकृष्ण का सबसे बड़ा भक्त है, जिसे आप अपने आदर्श के रूप में चुनना चाहेंगे? एक-एक कर सभी शिष्यों ने अपने विचार रखे। किसी ने कहा कि अर्जुन सुदामा की तुलना में श्रीकृष्ण के प्रति अधिक समर्पित थे, क्योंकि उन्होंने वह सब किया, जो भगवान ने उन्हें करने को कहा। किसी ने कहा, अर्जुन एक महान कर्मयोगी भी थे और आज के अशांत संसार को कर्मयोगी की आवश्यकता है।

लगभग बराबर संख्या सुदामा के लिए थी। इस समूह के शिष्यों का तर्क था, यह जानते हुए कि श्रीकृष्ण उन पर धन-वर्षा कर सकते हैं, उन्होंने कभी भी उनसे भौतिक मदद नहीं मांगी। इसलिए सुदामा अर्जुन से भी बड़े भक्त थे। भक्ति का अर्थ है बिना शर्त आत्म-समर्पण। इस आत्म-समर्पण की मात्रा ही भक्ति मापने का पैमाना है। जिसका समर्पण अधिक, वही बड़ा भक्त। अर्जुन और सुदामा, दोनों महान भक्त थे। लेकिन सुदामा अर्जुन से बड़े भक्त थे, क्योंकि जब श्रीकृष्ण ने अर्जुन से युद्ध करने को कहा, तब मोहग्रस्त होकर उन्होंने लड़ने से इनकार कर दिया था। इससे पता चलता है कि अर्जुन का श्रीकृष्ण के प्रति पूर्ण समर्पण नहीं था। यदि पूर्ण समर्पण होता, तो वह संशय में नहीं पड़ते। दूसरी ओर, सुदामा में हम पूर्ण समर्पण देखते हैं। उन्होंने अपने बालसखा श्रीकृष्ण से कभी कुछ नहीं चाहा, वह संतुष्ट रहे।

बहरहाल, भक्ति वही सर्वश्रेष्ठ है, जिसमें प्रभु के प्रति पूर्ण समर्पण कर दिया जाए, और बाकी सब उसी के ऊपर छोड़ दिया जाए। आपके आदर्श सिर्फ भगवान हैं और आपका प्रयास उनके प्रति ही पूर्ण आत्म-समर्पण का होना चाहिए। इसलिए आपको प्रभु से अर्जुन या सुदामा बनने के लिए नहीं, बल्कि वही बनाने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए, जो वह चाहता है। आपको प्रभु से वह काम लेने के लिए कहना चाहिए, जिसके निमित्त उसने आपको दुनिया में भेजा है।

यह मत भूलिए कि उसे सब पता है। आप में यदि उसका काम करने की क्षमता है, लेकिन आत्म-समर्पण की कमी है और आपने अपने अहंकार को नहीं छोड़ा है, तो फिर पहले वह ऐसी परिस्थितियां पैदा करेगा, जिसमें आपका अहंकार झुकने को मजबूर हो जाएगा। इसके बाद ही ईश्वर अपने कार्य का जरिया बनाने के लिए आपको चुनेंगे। आप जानते हैं, अर्जुन के साथ भी ऐसा ही था। अर्जुन में अपार क्षमता थी, लेकिन उनके अंदर कुछ अहंकार बचा रह गया था। श्रीकृष्ण ने पहले अपना विराट रूप दिखाकर उन्हें आत्म-समर्पण कराया और फिर अर्जुन को माध्यम बनने का सौभाग्य मिला।

> **श्रीकृष्ण के जीवन की हरेक घटना में हमारे लिए संदेश छिपा है। जैसे, कालिय नाग प्रसंग की ही चर्चा करें। इस नाग को हम प्रदूषण का प्रतीक मान सकते हैं। श्रीकृष्ण ने न सिर्फकालिय से युद्ध किया, बल्कि उसके सिर पर नृत्य करते हुए उसे हराया भी। शिव का तांडव और काली का तांडव तो प्रसिद्ध है, लेकिन श्रीकृष्ण ने एक बार ही तांडव किया और वह अत्यंत प्रसिद्ध है- तांडव गति मुंडन पर नाचत बनवारी।**

तांडव गति मुंडन पर नाचत बनवारी

सोनल मानसिंह, सांसद व प्रसिद्ध नृत्यांगना

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी कोई आम त्योहार नहीं है। भारत और भारतीयता में श्रीकृष्ण रचे-बसे हैं, इसलिए यह लोकजीवन से जुड़ा पर्व है। हम कलाकारों के लिए भारत का अर्थ भाव, राग और ताल भी है। इसमें भाव केवल नृत्य से नहीं, बल्कि जीवन से जुड़ा है। जन्म से लेकर मृत्यु तक हम नौ रस से गुजरते हैं। इसी तरह, राग का अर्थ भी मात्र संगीत नहीं है। इसका मतलब है प्रेम। हम कहते भी हैं कि ईश्वर प्रेमस्वरूप है। और, ताल महज लय नहीं है, बल्कि इसका एक अर्थ माप अथवा दूरी है। यानी, जीवन जीने की कला जो भारत ने विश्व गुरु के रूप में दुनिया को दी है, उसका एक सांकेतिक नाम श्रीकृष्ण है।

श्रीकृष्ण स्वयं नारायण विष्णु हैं। मानव देह के रूप में अवतरित होकर उन्होंने दिखाया है कि इंसान की क्षमता कितनी है और वह कहां तक पहुंच सकता है। श्रीकृष्ण नटनागर भी हैं और पार्थसारथी भी। वह श्रीमद्भागवत के उद्गाता भी हैं और सबसे बड़े राजनीतिज्ञ भी। श्रीकृष्ण योगेश्वर भी हैं और भोगेश्वर भी। जीवन में संतुलन किस तरह बनाकर रखना है, इसके वह प्रतीक हैं। उन्होंने किसी चीज को नहीं छोड़ा, सबको अपनाया है। उन्होंने जीवन के सभी रंगों को ओढ़ा है, जिसका संकेत उनके शीश पर मयूरपिच्छ का होना है। उन्होंने मधुर-मधुर बांसुरी की धुन पर सबको नचाया है। उन्होंने सबको जकड़ा है। सबकी देह में प्राण फूंके हैं।

माधुर्य अवतार है उनका। मगर जीवन का वह क्षण, जब हम सबको जूझना पड़ता है, तब श्रीकृष्ण संदेश देते हैं- उठो, और अपना कर्म करो। कर्मयोगी हैं वह। आगे कहते हैं, कर्म करो, लेकिन फल की चिंता किए बिना कर्म करो। जब आप फल की उम्मीद करते हुए कर्म करेंगे, तब आपको निराशा भी मिल सकती है। यानी, जो भारत का दर्शन है, उसके एकमात्र प्रतीक हैं वह। वह निराकार भी हैं और साकार भी। निर्गुण भी हैं और सगुण भी। सभी द्वंद्व, जिस बिंदु पर आकर खत्म हो जाते हैं या एकाकार हो जाते हैं अथवा घुल-मिल जाते हैं, वही श्रीकृष्ण हैं।

हम कलाकारों के लिए श्रीकृष्ण का विशेष महत्व है। माधुर्य मानव जीवन की पराकाष्ठा है और उसके अवतार श्रीकृष्ण हैं, इसलिए कला जगत में श्रीकृष्ण खासतौर से याद किए जाते हैं। उनमें सभी भाव, राग और ताल दृश्यमान होते हैं। अपने देश में ही नहीं, विदेश में भी श्रीकृष्ण पूजे जाते हैं। उनको समर्पित गीत-संगीत, कजरी, ठुमरी, पद आदि खूब गाए और नृत्य द्वारा अंकित किए जाते हैं। श्रीकृष्ण जनजीवन में किस कदर बसे हैं, इसका अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि शिल्प, बुनाई, चित्रकला, मंदिर आदि सभी जगहों में श्रीमद्भागवत के प्रसंगों को उकेरा गया है और श्रीकृष्ण की कहानी पेश की गई है। भरतनाट्यम् हो या ओडिसी, सभी में कृष्ण से जुड़े पदों की प्रस्तुति होती है। मैं तो एक अनूठा प्रयोग भी कर रही हूं। मैंने 2009 से श्रीकृष्ण पर नाट्यकथा की शुरुआत की है। इसमें श्रीकृष्ण के जीवन के हरेक पहलू को दिखाया जाता है। हर प्रस्तुति में कुछ न कुछ नया प्रसंग पेश किया जाता है। श्रीकृष्ण की एक और विशेषता है। उनको जितना बुरा-भला कहा गया है, शायद ही किसी अन्य देवता को कहा गया होगा। वह अकेले ऐसे प्रतीक हैं, जिन्हें जन्म से लेकर अंत तक छलिया, निर्मोही, माखनचोर जैसे शब्द कहे गए। उन्होंने सबको आनंद से स्वीकार किया। होली-जन्माष्टमी जैसा त्योहार हो या दैनिक जीवन का कोई क्षण, हम श्रीकृष्ण से जुड़े शब्द बोलते ही रहते हैं। गांधारी के भयानक श्राप को भी उन्होंने सहर्ष शिरोधार्य कर लिया। इसके ठीक उलट, सुदामा के साथ अपनी मित्रता से जो संदेश उन्होंने दिया, वह जीवन-दर्शन के लिए बहुत अहम है। जीवन के जितने आयाम होते हैं, सभी को श्रीकृष्ण से जुड़े नृत्य-संगीत में हम देख सकते हैं। मानव देह में अवतरित होकर उन्होंने हमें वह रास्ता दिखाया है, जिस पर यदि हम चलें, तो परम पद पा सकते हैं। वह कभी हाथ नहीं छोड़ते, फिर चाहे उनको लाख उलाहना दें। यानी, वह ऐसे देवता भी हैं, जिनको गलत समझा गया है। उनकी विराटता को समझना मुश्किल है। वह कहां कहते हैं कि मुझे समझो। वह तो कहते हैं, मुझे पकड़कर रखो, मैं तुम्हारा हूं।

श्रीकृष्ण के जीवन की हरेक घटना में हमारे लिए संदेश छिपा है। जैसे, कालिय नाग प्रसंग की ही चर्चा करें। इस नाग को हम प्रदूषण का प्रतीक मान सकते हैं। श्रीकृष्ण ने न सिर्फ कालिय से युद्ध किया, बल्कि उसके सिर पर नृत्य करते हुए उसे हराया भी। शिव का तांडव और काली का तांडव तो प्रसिद्ध है, लेकिन श्रीकृष्ण ने एक बार ही तांडव किया और वह अत्यंत प्रसिद्ध है- तांडव गति मुंडन पर नाचत बनवारी। नरसी मेहता ने तो इस प्रसंग का बहुत खूबसूरत वर्णन किया है। वह लिखते हैं- जलकमलदल छांडि जाने बाला, स्वामी अमारो जागशे, जागशे तने मारशे, मने बाल हत्या लागशे... इन पदों में हास्यरस की पराकाष्ठा भी है। इसमें नागरानी पूछती है कि ए सुंदर बालक, तू कौन है? यहां क्या कर रहा है? क्या तुम्हारी मां को परवाह नहीं कि तू कहां भटक रहा है? श्रीकृष्ण जवाब में कहते हैं, मैं मथुरा में पासा खेल रहा था और तेरे पति का शीश बाजी पर रखा था, मैं वह हार गया, तो अब उसका शीश लेने आया हूं। नागरानी बोलती हैं, कितना उद्दंड बालक है। जा, मेरे आभूषण ले जा और यहां से चला जा। श्रीकृष्ण हंसकर बोलते हैं, क्या तू अपने घर में चोरी करेगी? जा, अपने पति को उठा। इसके बाद कालिय नाग और श्रीकृष्ण में युद्ध होता है, और युद्ध का नतीजा देख नाग रानियां श्रीकृष्ण से अपने पति के प्राण न लेने की प्रार्थना करती हैं। श्रीकृष्ण इसी शर्त पर कालिय को छोड़ते हैं कि वह तत्काल यमुना छोड़कर चला जाए। हम भी यह प्रण ले सकते हैं कि नदियों के प्रदूषण को तत्काल दूर करने का प्रयास करेंगे।

स्पष्ट है, श्रीकृष्ण की गाथा अनुपम है। यहां हमें चैतन्य महाप्रभु याद हो आते हैं। कहा जाता है, जगन्नाथ मंदिर में प्रवेश करते समय वह इतना रोए कि पत्थर तक पिघल गया। आज भी वहां भगवान के पैरों के निशान हैं। चैतन्य महाप्रभु की विनती यही थी- मुझे निर्वाण नहीं चाहिए, मुझे मुक्ति नहीं चाहिए, मुझे तो जन्म-जन्म तक बस तेरी भक्ति चाहिए। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर कुछ ऐसी ही कामना करनी चाहिए।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

हजारों भाषाओं की बाधा तोड़ने की ओर बढ़ता इंटरनेट

राहुल मथान, साइबर विशेषज्ञ

भाषाओं के स्रोत से संबंधित सबसे ख्यात मूल मिथकों में से एक टॉवर ऑफ बबेल की कहानी है। कहानी कुछ यूं है, एक समय था, जब पृथ्वी पर हर कोई एक ही भाषा बोलता था। तब सबने एकजुट होकर एक ऐसी मीनार बनाने का फैसला किया, जिससे सब स्वर्ग तक पहुंच सकें। मीनार का काम इतनी तेजी से आगे बढ़ा कि इजरायल के परमेश्वर यहोवा ने भी अपना मत दिया। उन्होंने कह दिया, 'वास्तव में लोग एक हैं और उनकी भाषा भी एक है, तो लोगों ने मिलकर रहना शुरू कर दिया है, अब जो कुछ वे ठान लेंगे, रोके न रुकेंगे।'यहोवा को मीनार का निर्माण रोकना था, वरना नश्वर लोग भी खुद को भगवान के बराबर समझने लगते। इसलिए उन्होंने कई भाषाओं की रचना की, उन्होंने दुनिया में लोगों को अनेक भाषायी समूहों में बांट दिया। अब एक भाषा को समझने वाले लोग दूसरी भाषा को समझने में अक्षम हो गए। मीनार का काम रुक गया और हर कोई अपने-अपने समूह में ऐसे सिमटा, मानो फिर कभी एकजुट न होना हो।

आज दुनिया में 7,000 से अधिक भाषाएं हैं और एक भाषा में रची गई सामग्री दूसरी भाषाभाषी की समझ से बाहर है। इंटरनेट पर सूचनाओं का विशाल भंडार बनने के साथ यह भी एक तथ्य है कि दुनिया का इतनी सारी भाषाओं में बोलना अब चुनौती बनता जा रहा है। भले ही अंग्रेजी बोलने वाली आबादी दुनिया में सिर्फ 16 फीसदी है, मगर इंटरनेट पर शीर्ष एक करोड़ वेबसाइटों में 60 प्रतिशत से अधिक अंग्रेजी में है। दूसरी ओर, चीन में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की सबसे बड़ी संख्या है, पर शीर्ष एक करोड़ वेबसाइटों में सिर्फ 1.4 प्रतिशत चीनी भाषा का उपयोग करते हैं, दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी भाषा हिंदी में सिर्फ0.1 प्रतिशत है। अब जैसे-जैसे इंटरनेट भाषायी रूप से ज्यादा विविध होता जा रहा है, तो बदलाव के संकेत दे रहा है। 1996 में 80 प्रतिशत इंटरनेट उपयोगकर्ता अंग्रेजी बोलते थे। 2010 तक यह संख्या घटकर 27.3 प्रतिशत हो गया। 1996 की तुलना में आज चीन में 12 गुना और अरबी भाषी दुनिया में 25 गुना अधिक लोग इंटरनेट का उपयोग करते हैं। हालांकि, अलग-अलग भाषा में इंटरनेट बनाना वह समाधान नहीं है, जिसकी हम तलाश कर रहे। इसके लिए हमें भाषाओं की एक विस्तृत शृंखला में नया कंटेंट बनाने की जरूरत पड़ेगी। हमें ऐसी अनुवाद तकनीक की जरूरत पड़ेगी, जो लगातार (और उच्च स्तर की सटीकता के साथ) यह सुनिश्चित कर सके कि एक भाषा की सामग्री दूसरी भाषाभाषी की तत्काल समझ में आ जाए। 3,000 से अधिक भाषाओं के देश भारत में यह सुनिश्चित करना चुनौती है कि इंटरनेट पर कोई सामग्री भाषा के चलते पहुंच से बाहर न रह जाए।

इस साल की शुरुआत में सरकार ने भाषाओं के लिए एक डिजिटल सार्वजनिक मंच 'भाषिनी' की शुरुआत की है। लक्ष्य है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और संबद्ध तकनीकों का उपयोग कर सभी भारतीय भाषाओं में डिजिटल सामग्री वितरित करना। हमें तमाम भाषाओं में अनुवाद सुविधा के लिए विशाल डाटा बेस तैयार करना होगा। भाषिनी परियोजना ने भाषा दान, एक क्राउडसोर्सिंग प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है, जिसके जरिये लोग भाषा व अनुवाद को समृद्ध बनाएंगे। एक भाषा की सामग्री दूसरी में आसानी से अनुवादित हो जाएगी। तकनीक को इस तरह से तैयार करना होगा कि अनुवाद में देरी न हो। भाषाओं का एक बड़ा स्रोत ऑल इंडिया रेडियो और दूरदर्शन के अभिलेखागार हैं, जो दशकों से कई क्षेत्रीय भाषाओं में सामग्री तैयार कर रहे हैं। कॉपीराइट कानूनों में भी संशोधन व उदारता की जरूरत पड़ेगी। मेरे पसंदीदा विज्ञान कथा लेखकों में एक डगलस एडम्स ने अपनी हिचहाइकर्स गाइड टु द गैलेक्सी शृंखला में एक खास साहित्यिक उपकरण की कल्पना की है। उस काल्पनिक दुनिया में हर किसी के पास एक बबेलफिश है, जो एक सहजीवी प्राणी है, कान में रहता है और सभी संचार संकेतों को एक ऐसी भाषा में अनुवाद करता है, जिसे आप समझ सकते हैं। नतीजतन, हरेक जाति-प्रजाति एक-दूसरे के संकेतों-बोलियों को समझ सकती है। मुझे हमेशा लगता है, जहां भी मैं यात्रा करूं, मेरे कान में बबेलफिश रहे। हो सकता है, 'भाषिनी' इसे संभव बना दे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

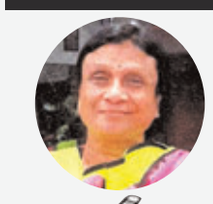

आंसू गिरा, दर्द बह गया
पर, तड़पती-सिसकती
वेदनाएं तार-तार, हो गई
कैसे जिये! बूढें मां-बाप
दिल दहलाने वाली
घटनायें, वीडियो बनाकर
हर जगह दिखा रहें।

-अंजली जैन
7024460938

नीतिश को क्या विपक्षी चेहरा माना जाएगा?

बलबीर पुंज

रिपोर्ट की माने, तो इस बार नीतीश इस बात से आशंकित थे कि कहीं उनकी स्थिति महाराष्ट्र के उद्धव ठाकरे जैसी न हो जाए। सच तो यह है कि नीतीश की प्रधानमंत्री बनने की लालसा सर्वविदित है। इस पृष्ठभूमि में क्या विपक्षी चेहरे के रूप में अति-महत्वकांशी राहुल गांधी, लालू-तेजस्वी, ममता बनर्जी, के.चंद्रशेखर राव, अखिलेश यादव आदि नीतीश कुमार को स्वीकार करेंगे?- इसकी संभावना बहुत ही कम है।

बिहार में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के नेता नीतीश कुमार ने बुधवार को आठवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से एक बार फिर संबंध तोड़कर नीतीश ने दोबारा अपनी चिर-राजनीतिक प्रतिद्वंदी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के साथ कांग्रेस, वामपंथी दलों सहित 7 पार्टियों के सहयोग से सरकार बनाई है। यह ठीक है कि राजनीति में कोई स्थायी मित्र या शत्रु नहीं होता। फिर भी कुछ ऐसी सीमाएं होती है, जिनका अतिक्रमण-राजनीतिक बेईमानी और अवसरवाद की पराकाष्ठा ही कहलाएगा।

बिहार में नीतीश कुमार का उदय राजद संस्थापक मुखिया लालू प्रसाद यादव के परिवारवाद और उनके शासन में भ्रष्टाचार-जंगलराज के विरुद्ध हुआ था। ऐसा प्रतीत होता है कि राजनीतिक जीवन के अंतिम पड़ाव में नीतीश ने इन दोनों विकृतियों के साथ समझौता कर लिया है। 26 वर्षों में यह दूसरी बार है, जब नीतीश भाजपा से अलग हुए है। समता पार्टी के दौर से ही एक सहयोगी के रूप में नीतीश ने भाजपा के साथ गठबंधन किया था। अब तक आठ बार वे मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं, जिसमें पांच बार (वर्ष 2000, 2005, 2010, 2017 और 2020) भाजपा, तो दो बार (2015 और 2022) राजद-आदि उनके सहयोगी रहे है।

बिहार में राजद की राजनीति चार बिंदुओं से परिभाषित है। पहला-परिवारवाद। भारतीय राजनीति में नेहरू-गांधी वंश के बाद विकृत वंशवादी परंपरा का दूसरा बड़ा उदाहरण लालू प्रसाद यादव हैं। वर्ष 1997 में घोटाले के कारण जब लालू को बिहार की कुर्सी छोड़नी पड़ी, तब उन्होंने अनुभवहीन और घर-परिवार की जिम्मेदारी तक सीमित अपनी अशिक्षित पत्नी राबड़ी देवी को बिहार का राजकाज सौंप दिया। यही नहीं, जब 2013 में लालू दोषी ठहराए गए, तब भी राजद में सत्ता के केंद्र को अपने परिवार के अधीन रखने हेतु उन्होंने अपने नौंवी पास छोटे पुत्र तेजस्वी को आगे कर दिया, जिससे उनके 12वीं पास पुत्र तेजप्रताप के नाराज होने की खबरें आए दिन मीडिया की सुर्खियां बनती रहती है।

राजद की राजनीति घोर-जातिवाद और इस्लामी कट्टरवाद से सहानुभूति रखने पर आधारित है। लालू के नेतृत्व में कभी पार्टी ने यादव-मुस्लिम समीकरण पर काम किया, तो कभी 'भूरा-बाल साफ़ करो' (भूमिहार-ब्राह्मण-राजपूत-लाला) की जातिवादी राजनीति (हिंसा सहित) को पुष्ट किया। जो बिहार की राजनीति से परिचित है, उन्हें पता है कि नब्बे के दशक में इस नारे ने प्रदेश को किस तरह जातिवादी हिंसा की आग में झोंक दिया था। इसके प्रभाव से बिहार आज भी मुक्त नहीं हो पाया है। मुस्लिम तुष्टिकरण के मकड़जाल में फंसकर राजद ने न केवल मोहम्मद शहाबुद्दीन (दिवंगत) जैसे इस्लामियों का खुला समर्थन किया, अपितु उसे कई बार विधायिका तक भी पहुंचाया।

बात केवल यही तक सीमित नहीं। जब 27 फरवरी 2002 को गुजरात स्थित गोधरा रेलवे स्टेशन के निकट जिहादियों की भीड़ ने ट्रेन के एक डिब्बे में 59 कारसेवकों को जिंदा जला दिया था, जिनका 'अपराध' केवल यह था कि वो अयोध्या की तीर्थयात्रा से लौटते समय 'जय श्रीराम' का नारा लगा रहे थे- तब वर्ष 2004-05 में रेलमंत्री रहते हुए लालू ने जांच-समिति का गठन करके यह स्थापित करने का प्रयास किया था कि गोधरा कांड मजहबी घृणा से प्रेरित न होकर मात्र केवल हादसा था। बाद में समिति की इस रिपोर्ट को गुजरात उच्च-न्यायालय ने निरस्त कर दिया। इस प्रकार की जातीय-मजहबी राजनीति को लालू के उत्तराधिकारी भी आगे बढ़ा रहे है।

राजद का तीसरा और चौथा राजनीतिक आधार- बेलगाम भ्रष्टाचार और अपराधियों को संरक्षण है। लालू परिवार का भ्रष्टाचार-कदाचार के मामलों से गहरा संबंध है। प्रसिद्ध चारा घोटाले में लालू अन्य दोषियों की भांति सजायाफ्ता है। आईआरसीटीसी घोटाला मामले में लालू, राबड़ी, तेजस्वी, मीसा, तेजप्रताप सहित 14 आरोपित है, जोकि फिलहाल जमानत पर बाहर है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

महक सेनीटेशन

सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE 93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

लक्ष्मी ज्वेलर्स
कुशल 9770584111 8959994444
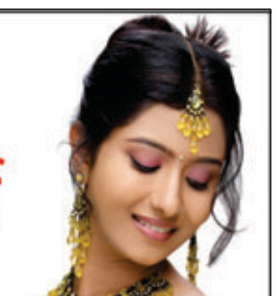
स्टेशन रोड, कर्नाटका बैंक के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

स्वरूपानंद महाविद्यालय में वृक्षों को रक्षा सूत्र बांध कर पौधों की सुरक्षा का संकल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई।स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती महाविद्यालय भिलाई के यूथ रेडक्रॉस इकाई ने वृक्षों को रक्षा सूत्र बांधकर पर्यावरण की रक्षा करने का संकल्प लिया। यूथ रेडक्रॉस प्रभारी श्रीमति ऊषा साहू एवं डॉ. पूनम शुक्ला ने कहा कि "एक वृक्ष सौ पुत्रों के समान होता है" पेड़ों की रक्षा करने व पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से वृक्षों में रक्षा सूत्र बांधने का अभियान चलाया गया इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों द्वारा वृक्षों को रक्षा सूत्र बांधकर पेड़ों की सुरक्षा का संकल्प लिया।

महाविद्यालय के सीओओ डॉ दीपक शर्मा ने कहा वृक्षों की रक्षा वास्तव में जीवन रक्षा के समान है, वृक्ष हमें प्राण वायु देते हैं तथा हमारे जीवन का आधार है।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ हंसा शुक्ला ने कहा यदि हम प्रदूषण से होने वाले नुकसान से अपने आप को बचाना चाहते है तो अधिक से अधिक संख्या में पौधरोपण कर उनके संवर्धन एवं सुरक्षा के कार्य करने होंगे। डॉ अज़रा हुसैन, उपप्राचार्य ने कहा अत्यंत खुशी का विषय है कि वृक्षों को रक्षा सूत्र बांधा जा रहा है वास्तव में रक्षा सुत्र का उद्देश्य हम वृक्षों की रक्षा पूरी निष्ठा के साथ करेंगे।

बीएड तृतीय सेमेस्टर की विद्यार्थी कामिनी वर्मा ने इस अवसर पर कहा इस वर्षा ऋतु में हम सब मिलकर कम से कम पांच-पांच पौधे का रोपण अवश्य करें साथ ही इसकी सुरक्षा का संकल्प लें। अंशु एक्का ने अधिक से अधिक पौधारोपण कर उनकी सुरक्षा एवं संवर्धन का संकल्प लेकर अपने पर्यावरण को सुरक्षित रखने की अपील की।

एनसीसी के विद्यार्थी विशाल कन्नौजे बीकॉम अंतिम वर्ष ने वृक्षों को रक्षा सूत्र बांधकर अपने आसपास पांच पौधा लगाने का संकल्प लिया तथा अविराज मिश्रा ने वृक्ष पर रक्षा सूत्र बांधकर कहा कि वृक्षों को बचाए बिना सुनहरे भविष्य की कल्पना करना मुश्किल है तथा साहिल पाहुजा ने आंवला वृक्ष पर रक्षा सूत्र बांधकर कहा पेड़ों की कटाई को रोकना होगा तभी भविष्य में अच्छी बारिश और स्वच्छ पर्यावरण की उम्मीद कर सकते हैं।

इस अवसर पर एनसीसी कैडेट एवं एनएसएस स्वयंसेवक के विधार्थी विशाल कनौजे, राकेश साहू, अभिराज मिश्रा, नीतीश कुमार साहू, साहिल पाहुजा, समर्थ देशमुख, हर्ष दास, वैष्णव, विनायक साहू, देवदत्त महानंद एवं हार्दिक उपस्थिति रहकर महत्वपूर्ण योगदान दिये।

महाविद्यालय की प्राचार्य, समस्त प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित होकर रुद्राक्ष, आम, अमरूद, आंवला, कदंब, नीम के वृक्ष को रक्षा सूत्र बांधते हुए यह संदेश देने की कोशिश की कि वृक्ष हमारे परिवार और समाज का अभिन्न हिस्सा है यह वातावरण को शुद्ध रखता है, यह हमारी सांसो को बरकरार रखता है इसलिए वृक्ष की रक्षा करना हमारा प्रमुख दायित्व है।

ग्रामीण उद्यमिता को नई पहचान दे रही समूह की महिलाएं

वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन के साथ महिलाओं ने शुरू किया पोल्ट्री का काम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। राज्य शासन द्वारा ग्राम के गौठानों को ग्रामीण औद्योगिक केन्द्र के रूप में विकसित करने की योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नींव मजबूत करने के लिए महती भूमिका निभा रही। इन गोठान में जहां वर्मी कंपोस्ट निर्माण, मुर्गी पालन, मछली पालन के अलावा औद्योगिक गतिविधियों को भी शामिल किया जा रहा है, जिसके फ्लस्वरूप महिला समूह को अतिरिक्त रोजगार मुहैया हो रहा है। रोजगार मिलने से महिला समूह आर्थिक रूप से सशक्त होकर आगे बढ़ रही है। महिलाएं इन गोठानों के माध्यम से विभिन्न गतिविधियों से जुड़कर स्वावलंबी हो रही है।

ग्रामीण औद्योगिक केन्द्र हिर्री गौठान में पूर्व में केवल वर्मी कंपोस्ट का कार्य किया जाता था। धीरे-धीरे यहां सभी महिला समूह को रोजगार देने के उद्देश्य से विभिन्न रोजगार मूलक गतिविधियों को शामिल किया गया। जिसमें मुख्य रुप से मछली पालन, मुर्गी पालन जैसे विभिन्न गतिविधियां शामिल थी। पशुपालन विभाग द्वारा ग्राम्यश्री स्व-सहायता समूह की चार महिला समूह को मुर्गी पालन के लिए 1156 चूजों को गोठान में बनी मुर्गी शेड में रखा गया एवं दाना खिला कर बड़ा किया गया। महिला समूह द्वारा नियमित देखभाल एवं समय से दाना-पानी खिलाने से चूजे जल्द विकसित हुए।

आज समूह द्वारा इन मुर्गियों को स्थानीय बाजार में बेचा जा रहा है। इसके अलावा महिला बाल विकास विभाग द्वारा संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों में मुर्गियों के अंडे की बिक्री की जा रही है। विभिन्न त्योहारों एवं स्थानीय बाजार के माध्यम से समूह द्वारा अब तक 65 हजार रुपये से अधिक अंडों का विक्रय किया जा चुका है। समूह की महिलाएं बताती है कि स्थानीय बाजार में प्रतिदिन 4 दर्जन से अधिक अंडों की बिक्री हो जाती है। आज तक समूह द्वारा मुर्गी एवं अंडे की विक्रय कर 91 हजार रुपये तक की अतिरिक्त आय प्राप्त कर चुके हैं।

समूह के इस कार्य को देखते हुए गौठान में अन्य आजीविका संवर्धन के कार्य किए जा रहे हैं। जिसमें महिलाएं इस कार्य में निरंतर जुड़ रही है एवं साथ ही अन्य महिलाओं को प्रोत्साहित करने का भी कार्य कर रही है।

खास खबर

पेंटिंग, भाषण और देशज खेल से दिया आजादी का अमृत महोत्सव का संदेश

बिलासपुर। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो प्रादेशिक कार्यालय रायपुर द्वारा बुधवारी बाजारी स्थित भारतीय रेल के नॉर्थ ईस्ट इंस्टीट्यूट परिसर के स्केटिंग कोर्ट में आयोजित आजादी का अमृत महोत्सव विषयक त्रिदिवसीय मल्टीमीडिया चित्र प्रदर्शनी के दूसरे दिन विविध प्रकार की जागरूकता प्रतियोगिताओं के माध्यम से जागरूकता प्रसार किया गया। प्रदर्शनी के दूसरे दिन पेंटिंग, भाषण और देशज खेल के तहत मटका फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी प्रतियोगिताओं में शहर के अलग-अलग 19 शिक्षण संस्थानों के 162 प्रतिभागियों की सहभागिता रही। पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने स्वतंत्रता सेनानियों के आजादी की लड़ाई में योगदान को रेखांकित किया। वहीं भाषण प्रतियोगिता में आजादी की महत्ता पर बात की गई। अमृत महोत्सव के तहत प्रश्नमंच का आयोजन किया गया। वहीं देशज खेल के तहत मटका फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। मटका फोड़ के लिए प्रतिभागी खासा उत्साहित दिखे। वहीं प्रश्नमंच में भी प्रतिभागियों का उत्साह देखते बना। प्रश्नमंच के विजेता प्रतिभागियों को मौके पर ही केंद्रीय संचार ब्यूरो रायपुर के प्रमुख शैलेष फाये द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया। गौरतलब है कि प्रदर्शनी का उद्घाटन मंगलवार को सांसद अरूण साव व दक्षिणपूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक आलोक कुमार के हाथों हुआ। प्रदर्शनी में अंग्रेजों के भारत आगमन, 1857 के प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन व 1974 में देश को आजाद होने तक के प्रमुख घटनाक्रमों को प्रदर्शित किया गया है। आज कुर्सी दौड़ व रस्सा खींच व देशभक्ति गीत गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। वहीं प्रतिभागी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी कर सकेंगे। वहीं विभिन्न प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार व प्रमाणपत्र वितरित किया जाएगा।

राज्य सरकार और यूनिसेफ नागरिकों के सशक्तिकरण के लिए मिलकर चलाएंगे जन-जागरूकता अभियान

स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण और सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं पर होगा फोकस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ग्राम सभाओं, हाट बाजारों में इन उपकरणों के माध्यम से लोगों को उन्हीं की भाषा में दी जाएगी जानकारी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार और यूनिसेफ नागरिकों के सशक्तिकरण के लिए मिलकर जन-जागरूकता अभियान चलाएंगे। इसमें स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, स्वच्छता और सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं पर फोकस होगा। इस अभियान के लिए यूनिसेफ द्वारा आज मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को उनके निवास कार्यालय में 1100 से अधिक संचार उपकरण, जिनमें पिको प्रोजेक्टर, ज्यूक बॉक्स और मेगाफोन शामिल हैं, सौंपे गए।

इन उपकरणों का उपयोग कर ग्राम सभाओं, हाट बाजारों, आंगनबाड़ी केन्द्रों और स्वास्थ्य केन्द्रों में लोगों को उन्हीं की भाषा में ऑडियो-विजुअल माध्यम से जानकारी दी जाएगी, ताकि अधिक से अधिक संख्या में लोग योजनाओं का लाभ ले सकें। प्रथम चरण में प्रदेश के 80 विकासखण्ड के दुर्गम क्षेत्रों में इस अभियान के माध्यम से 50 लाख लोगों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है।

स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण और सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं पर होगा फोकसमुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ के दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य, पोषण और टीकाकरण के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों में सहयोग के लिए यूनिसेफको धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी अभियान में संचार सुविधाएं जितनी बेहतर होती हैं, उसकी सफलता की गारंटी उतनी अधिक होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश मे दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक योजना प्रारंभ की गई है, जिसमें 455 मेडिकल मोबाइल यूनिट के माध्यम से अब तक 40 लाख मरीजों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई गई है। मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान से बच्चों में कुपोषण और महिलाओं में एनिमिया में अंकुश लगाने में सफलता मिली है। मलेरिया मुक्त अभियान से बस्तर अंचल में मलेरिया के मामलों में 65 प्रतिशत तक कमी आई है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने यूनिसेफ द्वारा प्रदान किए गए संचार उपकरण कोविड टीकाकरण को प्रोत्साहित करने के लिए यूनिसेफ द्वारा प्रदेश में चलाए जा रहे 'रोको अउ टोको' अभियान के स्वयंसेवकों और जनसम्पर्क विभाग के अधिकारियों को प्रदान किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 'रोको अउ टोको' अभियान की काफी टेबल बुक का विमोचन भी किया। राज्य सरकार के जनसम्पर्क विभाग द्वारा यूनिसेफ के सहयोग से प्रदेश के 80 विकासखण्डों के दुर्गम जनजातीय क्षेत्रों में लोगों को स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, पोषण, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी उनकी भाषा में ऑडियो-विजुअल माध्यम से पहुंचाई जाएगी, ताकि योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोग बेहतर ढ़ंग से उठा सकें। संचार उपकरणों के माध्यम से 50 लाख की जनसंख्या तक पहुंचकर उन्हें सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं और उनके लाभों तथा अधिकारों के बारे में जागरूक करने का लक्ष्य है। प्रदेश के 80 विकासखण्डों के लिए 720 मेगाफोन, 114 पिको प्रोजेक्टर, 300 ज्यूक बॉक्स प्रदान किए गए हैं।

यूनिसेफ द्वारा सौंपे गए संचार उपकरणों पिको प्रोजेक्टर, ज्यूक बॉक्स और मेगाफोन का उपयोग ग्राम सभाओं, हाट बाजारों, आंगनबाड़ियों, स्वास्थ्य केंद्रों, सार्वजनिक कार्यक्रमों और ग्रामीणों से मुलाकात के दौरान किया जाएगा। संचार उपकरणों का उपयोग फ्रंटलाइन वर्कर, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, शैक्षणिक संस्थानों और स्वयंसेवी नेटवर्कों द्वारा जागरूकता संदेशों के प्रचार-प्रसार के लिए किया जाएगा। इस अवसर पर ऊर्जा विभाग तथा मुख्यमंत्री के सचिव अंकित आनंद, संचालक जनसम्पर्क सौमिल रंजन चौबे, यूनिसेफ के छत्तीसगढ़ प्रमुख श्री जॉब जकरिया, यूनिसेफ के एसबीसी स्पेशलिस्ट अभिषेक सिंह और कंसल्टेंट चंदन कुमार भी उपस्थित थे।

बीएसपी के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग ने आजादी का अमृत महोत्सव मनाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग द्वारा 4 दिवसीय आज़ादी का अमृत महोत्सव समारोह विभाग के मुख्य महाप्रबंधक राजीव वास्तव के नेतृत्व में प्रारंभ किया गया। इसका शुभारम्भ 12 अगस्त 2022 को किया गया। इसके प्रथम दिन बीएसपी के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग में आजादी का अमृत महोत्सव समारोह की शुरुआत करते हुए रक्तदान और नेत्रदान के लिए शपथ लेने वाले उम्मीदवारों को 75 भारतीय राष्ट्रीय ध्वज और 75 टी-शर्ट वितरित किया गया। इसी क्रम में दूसरे दिन 13 अगस्त 2022 को बैटरी-11 एरिया में 75 पौधे लगाने के साथ-साथ ठेका मजदूरों के बच्चों को शिक्षित करने के लिए 75 स्टेशनरी किट का वितरण भी किया गया।

इसके तृतीय दिन 14 अगस्त 2022 को ऑफिसर्स एसोसिएशन बिल्डिंग, प्रगति भवन में जवाहर लाल नेहरू अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र के सहयोग से प्रात: 9 बजे रेड क्रॉस सोसाइटी फॉर ब्लड डोनेशन और नवदृष्टि फाउंडेशन फॉर प्लेज फॉर आई डोनेशन एंड अवेयरनेस सेशन फॉर ऑर्गन डोनेशन के भागीदारी से रक्तदान व नेत्रदान कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया। विदित हो कि इसमें कुल 98 ऑनलाइन पंजीकरण किए गए, जिसमें 70 व्यक्तियों ने रक्तदान के लिए और 59 व्यक्तियों ने नेत्रदान के लिए पंजीकरण कराया। रक्तदान व नेत्रदान कार्यक्रम में संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) अंजनी कुमार एवं भिलाई महिला समाज की उपाध्यक्ष श्रीमती नीरजा सिंह ने रक्तदान तथा नेत्रदान कर लोगों को अभिप्रेरित किया।

रक्तदान और नेत्रदान के लिए बीएसपी के कर्मचारी, पूर्व कर्मचारी उनके परिवार और मित्रों तथा कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़े कई लोगों ने इस हेतु पंजीकरण करने में रुचि दिखाई। रक्तदान करें, जीवन बचाएं... आंखें दान करें, जीवन से परे जिएं जैसे नारों को जीवंत किया।

विदित हो कि 75वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग में 12 से 15 अगस्त 2022 तक आजादी का अमृत महोत्सव मना गया। कोक ओवन विभाग के मुख्य महाप्रबंधक राजीव वास्तव के नेतृत्व में टीम सीओ एंड सीसीडी ने भिलाई इस्पात संयंत्र में चार दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस चार दिवसीय कार्यक्रम के तहत 15 अगस्त 2022 को ध्वजारोहण किया गया।

छायाचित्र प्रदर्शनी में स्कूली बच्चों और युवाओं के लिए रोजाना क्विज प्रतियोगिता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर जनसंपर्क विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी में स्कूली बच्चों, युवाओं और आमजनों की भागीदारी बढ़ाने के लिए क्वीज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान पर आधारित रोचक प्रश्न पूछे जा रहे है इन प्रश्नों के सही उत्तर पर प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार भी दिए जा रहे है। गौरतलब है कि कचहरी चौक स्थित टॉऊन हॉल में आयोजित यह प्रदर्शनी 21 अगस्त तक चलेगी। इस प्रदर्शनी का अवलोकन सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक किया जा सकता है।

स्थानीय टाऊन हॉल में चल रही यह प्रदर्शनी छत्तीसगढ़ के आजादी के दीवानों पर केन्द्रित है। देश के स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने वाले रणबाकुरों के जीवन चरित्र और आंदोलन में उनके योगदान को छायाचित्रों के माध्यम से इस प्रदर्शनी में रेखांकित किया गया है। प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ की जन कल्याणकारी और नवाचारी योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है। यहां आने वाले आगंतुकों को विभिन्न योजनाओं की प्रचार सामाग्री भी वितरित की जा रही है।

प्रदर्शनी के तीसरे दिन आम नागरिकों, युवाओं के साथ ही स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय कुरां, धरसींवा जिला रायपुर, स्वामी आत्मानंद बी.पी. पुजारी शासकीय अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय राजातालाब रायपुर और शहीद संजय यादव शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय संजय नगर रायपुर के बच्चों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और इस प्रदर्शनी की सराहना की।

स्कूली बच्चों ने बताया कि उन्हें छायाचित्र प्रदर्शनी के माध्यम से छत्तीसगढ़ में देश के आजादी के लिए चलाए गए आंदोलन के संबंध में रोचक और ज्ञानवर्धक जानकारी मिली। विशेष रूप से किसानों के नहर सत्याग्रह आंदोलन जिसका नेतृत्व महात्मा गांधी ने किया था। प्रदर्शनी में आयोजित की जा रही क्वीज प्रतियोगिता में आज स्कूली बच्चे भी शामिल हुए। छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता आंदोलन सहित विभिन्न विषयों पर पूछे गए प्रश्नों के सही जवाब पर स्कूली बच्चों को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार भी दिए गए।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

दही-हांडी फोड़ने में युवतियां दिखाएंगी दमखम, 25 से 30 फीट ऊंचाई पर क्रेन से लटकाएंगे

रायपुर (ए)। कोरोना काल में दो साल तक दही-हांडी प्रतियोगिता का आयोजन नहीं किया गया था। इस साल इस प्रतियोगिता में खास आकर्षण युवतियों की टोलियां रहेंगी। 25 से 30 फीट की ऊंचाई तक क्रेन से हांडी को लटकाया जाएगा। युवतियों की अनेक टोलियां प्रतियोगिता को जीतने के लिए जोर-शोर से अभ्यास कर रही हैं। एक आयोजन गुढ़ियारी में होगा, जहां इनामी राशि तीन लाख 51 हजार और दूसरा रावणभाठा मैदान में होगा, जहां इनामी राशि 11 से लेकर 31 हजार रुपये तक प्रदान की जाएगी।

गुढ़ियारी में घंटा बाजा, रौद्र तांडव का आकर्षण

सार्वजनिक दही-हांडी उत्सव समिति गुढ़ियारी के संयोजक बसंत अग्रवाल, हेमेंद्र साहू एवं लक्की ठाकुर ने बताया कि गुढ़ियारी-श्रीनगर रोड स्थित दही हांडी मैदान में 19 अगस्त को शाम चार बजे से प्रतियोगिता का शुभारंभ होगा। इसमें प्रदेश भर से टोलियां आ रही हैं। प्रथम पुरस्कार के अलावा जिस टोली में भी 50 से अधिक सदस्य होंगे, उन्हें प्रोत्साहन राशि 7,100 रुपये दी जाएगी। खास आकर्षण ओडिशा का घंटा बाजा और महाराष्ट्र का रौद्र तांडव नृत्य होगा। जसगीत गायक दुकालू यादव गीतों से समां बांधेंगे।

दूधाधारी मठ से निकलेगी शोभायात्रा

पिछले 10 साल से हो रहा एक और भव्य आयोजन सप्रे शाला के बजाय रावणभाठा दशहरा मैदान में होगा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव समिति के संयोजक सच्चिदानंद उपासने और अध्यक्ष माधवलाल यादव ने बताया कि हर साल सप्रे शाला में प्रतियोगिता का आयोजन होता था। इस साल रावणभाठा मैदान में प्रतियोगिता होगी। दूधाधारी मंदिर मठपारा से भगवान श्रीकृष्ण और गोप-गोपियों की टोली दही-हांडी फोड़ने के लिए शोभायात्रा के रूप में निकलेगी। यात्रा में यादव नृत्य, अखाड़ा दलों का प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र रहेगा।

छत्तीसगढ़ में अब तक 904.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 904.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से 17 अगस्त तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1906.4 मिमी और सरगुजा में जिले में सबसे कम 362.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर में 523.0 मिमी, बलरामपुर में 476.2 मिमी, जशपुर में 533.4 मिमी, कोरिया में 542.0 मिमी, रायपुर में 690.1 मिमी, बलौदाबाजार में 909.4 मिमी, गरियाबंद में 971.7 मिमी, महासमुंद में 936.8 मिमी, धमतरी में 976.7 मिमी, बिलासपुर में 1029.2 मिमी, मुंगेली में 970.0 मिमी, रायगढ़ में 870.3 मिमी, जांजगीर-चांपा में 1062.6 मिमी, कोरबा में 809.5 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 774.8 मिमी, दुर्ग में 796.6 मिमी, कबीरधाम में 875.6 मिमी, राजनांदगांव में 949.2 मिमी, बालोद में 1028.1 मिमी, बेमेतरा में 565.0 मिमी, बस्तर में 1291.5 मिमी, कोण्डागांव में 1049.6 मिमी, कांकेर में 1178.1 मिमी, नारायणपुर में 1075.6 मिमी, दंतेवाड़ा में 1303.2 मिमी और सुकमा में 867.8 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

इन्सपायर योजना छात्रवृत्ति के लिए कट ऑफ अंक 406

रायपुर। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार द्वारा बेसिक साइंस में उच्च अध्ययन के लिए इन्सपायर योजना छात्रवृत्ति हेतु छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल की कक्षा 12वीं के विज्ञान विषय के टॉप एक प्रतिशत विद्यार्थी से चयन किया जाता है। वर्ष 2022 में कक्षा 12वीं विज्ञान संकाय के टॉप एक प्रतिशत विद्यार्थियों के लिए कटऑफमार्क्स- 406 (81.2 प्रतिशत) है। छात्रवृत्ति हेतु आवेदन करने के लिए 406 या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी मण्डल की वेबसाईट www.cgbse.nic.in से एडवाईजरी नोट डाउनलोड करके प्राप्त किए जा सकते है।

छत्तीसगढ़ को खेलगढ़ में विकसित करने का जरिया बनेगी पेशेवर मुक्केबाजीः भूपेश बघेल

ऐतिहासिक अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाजी मुकाबले 'द जंगल रंबल' का राजधानी के खेलप्रेमियों ने लिया लुत्फ

भारत के मुक्केबाज विजेंदर सिंह के पंच से घाना के एलियासु सुले परास्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी का सरदार बलबीर सिंह जुनेजा स्टेडियम बुधवार की शाम बॉक्सिंग प्रेमियों के शोर से गूंज उठा। मौका था अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाजी मुकाबले 'द जंगल रंबल' का। इस मौके पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी बॉक्सिंग का आनंद लिया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को खेलगढ़ में विकसित करने की दिशा में पेशेवर मुक्केबाजी जरिया बनेगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को एक खेल राज्य खेलगढ़ के रूप में स्थापित करने का प्रयास जारी है। मुक्केबाज विजेंदर सिंह की पेशेवर लड़ाई इस योजना को और मजबूत करेगी। हमें न केवल लोगों को प्रोत्साहित करना है, बल्कि छत्तीसगढ़ को खेल की महाशक्ति के रूप में पहचान दिलाने के लिए भी तैयारी करनी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस आयोजन में आकर अच्छा लगा। यह छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक पल है। छत्तीसगढ़ में खेलों को बढ़ावा देने के प्रयासों के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में खेल अकादमी की स्थापना की गई है और खेलों के लिए अलग से प्राधिकरण भी बनाया गया है। इससे आधारभूत सुविधाओं के विकास और खिलाड़ियों को संवारने के काम एक साथ होगा। श्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में क्रिकेट का रोड सेफ्टी मैच हुआ। कई बड़े खिलाड़ियों ने अपने खेल का प्रदर्शन किया है। छत्तीसगढ़ में अब लगातार कोशिश हो रही है, खेलों को बढ़ावा मिले और युवा खेलों के लिए प्रेरित हो।

श्री बघेल ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ में खेलों का माहौल बन रहा है। महिला हॉकी में पहले ही राज्य का प्रतिनिधित्व रहा है, अब कॉमनवेल्थ गेम्स में हमारी बिटिया आरुषि कश्यप ने बैडमिंटन में मेडल जीता है। तीरंदाजी में भी यहां अनेक संभावनाएं हैं। ऐसे आयोजनों से राज्य में खेलों को नया आयाम मिलेगा।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में ये पहला पेशेवर मुक्केबाजी मुकाबला है। भारत के पहले पेशेवर मुक्केबाज विजेंदर सिंह इस मुकाबले के लिए बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण ले रहे थे। इस मुकाबले के लिए विजेंदर सिंह ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

उल्लेखनीय है कि 8 जून को प्रोफेशनल मुक्केबाज विजेंदर सिंह ने मुख्यमंत्री बघेल से मुलाकात की थी और छत्तीसगढ़ में प्रोफेशनल बाक्सिंग मैच का आयोजन करने के लिए अनुरोध किया था। मुख्यमंत्री ने इस अनुरोध को स्वीकार किया था और उसी तारतम्य में मुख्यमंत्री बघेल की पहल पर राजधानी रायपुर में अंतर्राष्ट्रीय बाक्सिंग मुकाबला आयोजित किया गया। विजेंदर सिंह लगभग 19 महीनों के बाद रिंग में उतरे। इसके लिए उन्होंने मैनचेस्टर में कड़ी ट्रेनिंग ली है।

प्रतियोगिता में हुए पांच रोचक मुकाबले

लाइट वेट ग्रुप में पहला मुकाबला अमेय नितिन और असद आसिफ खान के बीच हुआ। इस मुक़ाबले में असद ने बाजी मारी। वहीं दूसरा मुकाबला आशीष शर्मा और कार्तिक सतीश कुमार के बीच हुआ, जिसमें कार्तिक सतीश कुमार विजेता घोषित किए गए। तीसरा मैच शैकोम और गुरप्रीत सिंह के बीच हुआ। गुरप्रीत सिंह इस मैच के विजेता बने। मुक्केबाजी का चौथा मुकाबला सचिन नौटियाल बनाम फैजान अनवर के बीच हुआ। एक मिनट 17 सेकेंड में ही सचिन नौटियाल से फैजान अनवर ने खेल जीत लिया। सचिन नौटियाल प्रतिद्वंदी खिलाड़ी फैजान के पंच से पस्त हुए और रिंग छोड़ बाहर चले गए। खेल के नियमों के तहत रेफरी ने फैजान को विजेता घोषित किया।

सबके आकर्षण का केंद्र रहा विजेंदर-सुले के बीच मुकाबला

बॉक्सिंग की इस प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र पेशेवर भारतीय मुक्केबाज विजेंदर सिंह और घाना के एलियासु सुले के बीच हुआ मुकाबला रहा। इस मैच में विजेंदर सिंह ने अपने तगड़े पंच से एलियासु सुले को मात दी। द जंगल रंबल के पांचवें और इस आखिरी मुकाबले में केवल 02 मिनट 07 सेकेंड में ही एलियासु को धूल चटा दी। विजेंदर सिंह ने अपने तगड़े पंच से एलियासु सुले को ऐसी चोट दी और वे वापसी नहीं कर सके, जिससे विजेंदर सिंह को जीत मिली।

देश में इस वर्ष 2.80 करोड़ मीट्रिक टन दलहन उत्पादन की उम्मीद

छत्तीसगढ़ में 15 लाख हेक्टेयर रकबे में उगाई जाएंगी दलहन फसलेंः रविन्द्र चौबे

दलहनी फसलों के अनुसंधान एवं विकास पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में दलहन फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए दलहन उगाने वाले किसानों को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जिसके तहत धान की जगह दलहन उत्पादन करने वाले किसानों को प्रति एकड़ नौ हजार रूपये का अनुदान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दलहन उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा किसानों से अरहर एवं उड़द की खरीदी समर्थन मूल्य 6600 रूपये की जगह 8000 रूपये प्रति क्विंटल की दर पर की जा रही है। राज्य सरकार के प्रयासों से पिछले वर्षों में राज्य में दलहन के रकबे एवं उत्पादन बढ़ोतरी हुई है और आज 11 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में दलहन फसलों की खेती की जा रही है जिसके आगामी दो वर्षों में बढ़कर 15 लाख हेक्टेयर होने की उम्मीद है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के किसानों से ज्यादा से ज्यादा रकबे में दलहनी फसलें उगाने का आव्हान किया। चौबे यहां इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय रबी दलहन कार्यशाला एवं वार्षिक समूह बैठक का शुभारंभ कर रहे थे। श्री चौबे ने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के कृषि विकास में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के योगदान की विशेष रूप से सराहना की।

शुभारंभ समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा, शाकम्भरी बोर्ड के अध्यक्ष रामकुमार पटेल, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप महानिदेशक डॉ. टी.आर. शर्मा, सहायक महानिदेशक डॉ. संजीव शर्मा, भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर के निदेशक डॉ. बंसा सिंह, भारतीय धान अनुसंधान संस्थान हैदराबाद के निदेशक डॉ. आर.एम. सुंदरम तथा इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय प्रबंध मण्डल के सदस्य आनंद मिश्रा भी उपस्थित थे। समारोह की अध्यक्षता इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने की। इस दो दिवसीय रबी दलहन कार्यशाला में चना, मूंग, उड़द, मसूर, तिवड़ा, राजमा एवं मटर का उत्पादन बढ़ाने हेतु नवीन उन्नत किस्मों के विकास, अनुसंधान एवं उत्पादन तकनीकी पर विचार-मंथन किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि देश में दलहनी फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान एवं विकास हेतु कार्य योजना एवं रणनीति तैयार करने के लिए आयोजित इस दो दिवसीय कार्यशाला एंव वार्षिक समूह बैठक में देश के विभिन्न राज्यों के 100 से अधिक दलहन वैज्ञानिक शामिल हुए हैं।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक डॉ. टी.आर. शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा भारत को दलहन उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने एवं इसका आयात कम करने के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप देश में इस वर्ष 2 करोड़ 80 लाख मीट्रिक टन दलहन उत्पादन होने की संभावना है। गौरतलब है कि वर्ष 2016 में देश में 1 करोड़ 60 लाख मीट्रिक टन दलहन का उत्पादन होता था। उन्होंने दलहनी फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए इसकी रोगरोधी एवं उन्नतशील किस्में उगाने तथा यंत्रीकरण के उपयोग में वृद्धि करने पर जोर दिया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहायक महानिदेशक डॉ. संजीव गुप्ता ने कहा कि धान के कटोरे के रूप में प्रख्यात छत्तीसगढ़ आज दलहन उत्पादन के क्षेत्र में भी अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा दलहनी फसलों की नवीन उन्नतशील किस्में विकसित किये जाने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में उगाई जाने वाली तिवड़ा की फसल खाद्य सुरक्षा उपलब्ध कराने के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में वर्तमान समय में लगभग 11 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में दलहनी फसलें ली जा रहीं है जिनमें अरहर, चना, मूंग, उड़द, मसूर, कुल्थी, तिवड़ा, राजमा एवं मटर प्रमुख हैं। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर में दलहनी फसलों पर अनुसंधान एवं प्रसार कार्य हेतु तीन अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाएं - मुलार्प फसलें (मूंग, उड़द, मसूर, तिवड़ा, राजमा, मटर), चना एवं अरहर संचालित की जा रहीं है जिसके तहत नवीन उन्नत किस्मों के विकास, उत्पादन तकनीक एवं कृषकों के खेतों पर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन का कार्य किया जा रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा अबतक विभिन्न दलहनी फसलों की उन्नतशील एवं रोगरोधी कुल 25 किस्मों का विकास किया जा चुका है जिनमें मूंग की 2, उड़द की 1, अरहर की 3, कुल्थी की 6, लोबिया की 1, चना की 5, मटर की 4, तिवड़ा की 2 एवं मसूर की 1 किस्में प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ की प्रमुख दलहन फसल तिवड़ा की दो उन्नत किस्में विकसित की गई हैं, जो मानव उपयोग हेतु पूर्णतः सुरक्षित है। डॉ. चंदेल ने कहा कि दलहनी फसलों में यंत्रीकरण को बढ़ावा देने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा नए कृषि यंत्र विकसित किए जा रहे हैं।

सिंधी समाज ने मनाया थधड़ी पर्व, माता शीतला को ठंडा भोजन का लगाया भोग

रायपुर(ए)। सिंधी समाज के घर घर में भादो कृष्ण पक्ष की सप्तमी को 'थधड़ी' पर्व मनाया गया। एक दिन पहले बुधवार को भोजन बनाया गया था। गुरुवार को शीतला माता को भोग लगाकर वही ठंडा भोजन ग्रहण किया। पारंपरिक मान्यता को मानने वाले परिवारों में गुरुवार को चूल्हा तक नहीं जलाया गया। अब शुक्रवार को सुबह ही गरम भोजन बनाया जाएगा। सिंधी समाज के प्रेमप्रकाश मन्ध्यानी ने बताया कि 17 अगस्त को घर-घर में विविध तरह के व्यंजन बनाए गए। रात्रि में चूल्हा में जल छिड़ककर अग्नि देव, जल देवता, शीतला माता को प्रणाम करके एक दिन केवल ठंडा, बासी भोजन ग्रहण करने का संकल्प लिया। 18 की सुबह शीतला माता को भोग लगाया गया। अब रात तक परिवार के सभी सदस्य ठंडा, बासी भोजन ही ग्रहण करेंगे।

'थधड़ी' का अर्थ ठंडा या शीतलता प्रदान करना होता है। सिंधी समाज की महिलाएं सुख, शांति और आरोग्यता तथा शीतलता प्रदान करने वाली देवी शीतला माता की पूजा-अर्चना करती हैं। आटे एवं बेसन की मीठी व नमकीन मोटी रोटी, धूली मूंग दाल की रोटी, पूड़ी, सब्जियों में करेला, भाटा, भिंडी, परवल, दही बड़ा, दही रायता, प्याज का रसदार अचार आदि व्यंजन बनाकर भोग लगाया जाता है।

चूल्हे को पीली मिट्टी से लीपा

एक दिन पहले रात्रि में भोजन बनाने के बाद चूल्हे को पीली मिट्टी से लीपकर एक कलश में जल भरकर चूल्हे की पूजा-अर्चना की गई। गुरुवार को सुबह स्नान करके महिलाएं से भरा कलश और व्यंजन की थाल लेकर शीतला मंदिर में पूजा की। पूजा का जल घर लाकर छिड़काव किया। जल को चूल्हे के अलावा पूरे घर में शीतला माता का जाप 'ठार माता ठार पंहिजें बचिणन खे ठार' का उच्चारण करते हुए छिड़का। इस मंत्र का अर्थ है कि हे माताराणी, आपने हमेशा अपने बच्चों पर कृपा बनाए रखी है, इसी तरह आगे भी कृपा व आशीर्वाद बनाए रखें।

ऐसी मान्यता है कि थधड़ी के दिन चूल्हा ठंडा रखकर ठंडा भोजन किया जाए तो वर्ष भर सुख-शांति बनी रहती है, घर में कलह नहीं होता और लक्ष्मी का वास होता है। शीतला माता व अग्निदेव की कृपा होती है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

कृष्ण जन्माष्टमी उपवास को लेकर इन जरूरी बातों का रखें ध्यान, वरना बिगड़ सकती है आपकी सेहत

देशभर में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव पर्व 'कृष्ण-जन्माष्टमी' की धूम है। देश के कुछ हिस्सों में आज, जबकि कुछ हिस्सों में कल उत्सव मनाया जाएगा। इस दौरान परंपराओं के अनुसार व्रत रखने का चलन है, हालांकि व्रत के साथ अपनी सेहत को लेकर भी ध्यान रखना बहुत आवश्यक हो जाता है। व्रत के दौरान नमक आदि का सेवन वर्जित होता है ऐसे में आप ऊर्जा के अभाव में थका हुआ और कमजोर महसूस कर सकते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, व्रत रखने से पहले अपनी सेहत को लेकर ध्यान रखना बहुत आवश्यक होता है, अगर आपका स्वास्थ्य सही है तो ही व्रत करना चाहिए, वरना पूरे दिन कुछ न खाने से सेहत को नुकसान पहुंच सकता है। विशेषज्ञ कहते हैं, जो लोग जन्माष्टमी का व्रत कर रहे हैं उन्हें आहार और पौष्टिकता के साथ शरीर में पानी की कमी न होने पाए, इन बातों का भी विशेष रूप से ध्यान देते रहना चाहिए। कुछ बीमारियों में आपको थोड़ी-थोड़ी देर पर कुछ खाते रहने की सलाह दी जाती है, ऐसे लोगों के लिए व्रत करना समस्याकारक हो सकता है। अपनी सेहत के आधार पर उपवास करने के दौरान क्या करें और क्या न करें, इसका विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। आइए इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण बातों को जानते हैं।

ऐसे लोगों को नहीं करना चाहिए व्रत

डॉक्टर्स कहते हैं, यदि आप किसी ऐसी बीमारी से पीड़ित है जिसकी दवा चल रही है तो ऐसे लोगों को व्रत करने से बचना चाहिए। डायबिटीज के रोगियों को खाली पेट होने पर शुगर बढ़ने की समस्या हो सकती है, इसके अलावा व्रत के दौरान चूंकि आप दवाइयां नहीं खा सकते हैं, ऐसे में हाई ब्लड शुगर की स्थिति का खतरा रहता है जिसे गंभीर माना जाता है। इसके अलावा अन्य क्रोनिक बीमारियों जैसे हृदय रोग, पोस्ट कोविड आदि के शिकार लोगों को भी ज्यादा देर खाली पेट नहीं

रहना चाहिए।

हाइड्रेशन से न करें समझौता

आप स्वस्थ हैं और आप व्रत रख रहे हैं तो भी अपनी सेहत का ख्याल रखना बहुत आवश्यक हो जाता है। विशेषतौर पर शरीर को हाइड्रेटेड रखना जरूरी है। चूंकि व्रत में दिनभर कुछ खा नहीं सकते हैं, फिर भी समय-समय पर पानी पीते रहें। पानी या नारियल पानी जैसे कम कैलोरी वाले पेय आपको हाइड्रेटेड रखने में मदद करेंगे और डिहाइड्रेशन के कारण होने वाली थकान-कमजोरी से बचाकर रखेंगे।

व्रत में ज्यादा तली-भुनी चीजें न खाएं

यदि आप फलाहार व्रत कर रहे हैं तो कुछ खाने की जगह पीने पर अधिक ध्यान दें। विशेषकर ज्यादा तली-भुनी चीजें आपके पाचन स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती हैं। व्रत में ताजे फलों और हल्के आहार का सेवन आध्यात्मिक और सेहत दोनों के लिहाजे से उचित माना जाता है। खाली पेट ज्यादा तली-भुनी चीजें अपच और पाचन से संबंधित कई तरह की अन्य समस्याओं का कारण बन सकती हैं।

अधिक चाय पीने से बचें

व्रत के दौरान अक्सर लोग रिफ्रेश रहने के लिए चाय का अधिक सेवन करते हैं, पर यह कई प्रकार से नुकसानदायक हो सकता है। चाय या कॉफी का अधिक सेवन हृदय गति को बढ़ा सकता है। इसके अलावा दिन भर में खाली पेट होने के बाद अधिक चाय का सेवन एसिडिटी का कारण बन सकती है, ऐसे में दो बार से अधिक चाय पीने से बचें। व्रत के दौरान सेहत को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही आपके लिए मुश्किलें बढ़ा सकती है।

गिप्पी ग्रेवाल ने सुनाई संघर्ष की दिल छूने वाली कहानी, बोले, पंजाब में फिरौती वसूली गंभीर समस्या

पंजाबी फिल्मों के सुपरस्टार गिप्पी ग्रेवाल की अगली फिल्म 'यार मेरा तितलियां वरगा' बॉक्स ऑफिस पर जल्दी ही धमाका करने वाली है। गिप्पी ग्रेवाल पंजाबी सिनेमा के सुपरस्टार बड़ी मेहनत से बने हैं। उनकी गायकी के देश दुनिया में करोड़ों दीवाने हैं। लेकिन, उनके प्रशंसकों में से भी कम लोगों को ही पता होगा कि संघर्ष के दिनों में उन्होंने लोगों की गाड़ियां धोई हैं। सेक्योरिटी गार्ड का काम किया है और कनाडा जाकर रेस्तरां में बैरे (वेटर) का काम भी कर चुके हैं। वतन से मोहब्बत उनको वापस घर खींच लाई और वतन की मिट्टी से मोहब्बत करके उन्होंने पाया है वह मुकाम, जिसके सफर के बारे में उन्होंने बताया।

पढ़ाई में नहीं लगता था मन

पंजाब में लुधियाना के पास कूम कलां गांव में 2 जनवरी 1983 को जन्मे गिप्पी ग्रेवाल का पूरा नाम रूपिंदर सिंह ग्रेवाल है। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा ननकाना साहिब पब्लिक स्कूल से की और पंचकूला के नॉर्थ इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट से होटल मैनेजमेंट की पढ़ाई की। बचपन में ही संगीत और नाटकों में रुझान के वजह से गिप्पी का पढ़ाई में मन नहीं लगता था। वह सिर्फ इतनी ही पढ़ाई कर पाते थे, जिससे वह पास हो सके। गिप्पी ग्रेवाल बताते हैं, 'मैं जिस गांव में रहता था वहां कुछ ऐसा नहीं था कि कुछ सीख सकूं। 12वीं के बाद म्यूजिक सीखना शुरू किया। जब मैं अपने म्यूजिक टीचर के पास गया तो टीचर ने बोला कि आवाज बहुत रफ है, थोड़ी पॉलिश करनी पड़ेगी। मैंने कोशिश की अपनी आवाज को और बेहतर बना सकूं लेकिन मेरी रफआवाज ने ही मुझे एक अलग पहचान दी।

पिता जी समझते थे नालायक

गिप्पी ग्रेवाल के पिता संतोख सिंह ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। अपने गांव में सिर्फ वही एक मात्र ऐसे इंसान थे जो इतने पढ़े लिखे थे। गिप्पी ग्रेवाल बताते हैं, 'मेरे पिता इंजीनियर की नौकरी छोड़कर गांव में ही खेती बाड़ी करने लगे । मेरे गांव के आसपास सिर्फ मेरे पिता ही पढ़े लिखे थे। मेरे घर पर 200 स्टूडेंट पढ़ने आते थे जिन्हें पिता जी फ्री में पढ़ाते थे। पिता जी कहते, कितने बच्चे पढ़ने आते हैं मुझसे, एक तू ही नालायक है जो नहीं पढ़ता है। लेकिन मेरा फोकस किसी और चीज पर था, मैं उतनी ही पढ़ाई करता था, जिससे पास हो जाऊं।

किसी भी काम में शर्म महसूस नहीं की

गिप्पी ग्रेवाल पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में अभिनेता, गायक, निर्माता, निर्देशक और लेखक रूप में काफी समय से सक्रिय हैं। वह ग्रेवाल कहते है, 'मैं जो भी काम को करता हूं बहुत ही मन से करता हूं। फिल्मों में आने से पहले मैं कनाडा में वेटर का काम कर चुका हूं, काफी समय तक दिल्ली में सिक्योरिटी गार्ड की भी नौकरी की। मैंने गाड़ियां भी धोई है। मुझे किसी भी काम में शर्म नहीं लगती। हर काम मैं पूरी शिद्दत और ईमानदारी के साथ करता था। ईमानदारी से कमाए हुए पैसे से सुकून मिलता है। मेरा लक्ष्य गायकी था और मैं सोचता था कि जितने पैसे मुझे दूसरे काम से मिलते है, उतने पैसे अगर मुझे गायकी से मिले तो मेरी मेहनत सफल हो जाएगी।

घुटनों में रहता है बहुत ज्यादा दर्द तो जानें कारण और बचाव के उपाय

गृहणियों में जोड़ों का दर्द एक आम समस्या है। ज्यादातर महिलाओं के पैरों में अक्सर दर्द रहता है। घुटनों में दर्द के कारण उनकी कार्यशैली पर भी प्रभाव पड़ता है। जोड़ों या घुटनों में दर्द की एक मुख्य वजह भी खराब जीवन शैली और खानपान में पौष्टिकता की कमी है। आज की आधुनिक जीवन शैली के कारण शरीर की मांसपेशियों में जकड़न और जोड़ों का दर्द बढ़ जाता है। ये समस्या अधिकतर रात के समय ज्यादा परेशान करती है। एक उम्र के बाद महिला और पुरुष दोनों को ही घुटनों में दर्द की शिकायत होती है, लेकिन पुरुषों की तुलना में महिलाओं में यह समस्या अधिक देखी जाती है। अगर घुटनों में दर्द की समस्या को नजरअंदाज किया जाता है तो भविष्य में तकलीफअधिक बढ़ने की संभावना भी रहती है। घुटनों में दर्द से परेशान हैं तो पहले ये जान लीजिए कि ये समस्या किन कारणों से हो सकती हैं और घुटनों के दर्द से राहत पाने के लिए उपचार व बचाव के उपाय भी जानें।

घुटनों में दर्द के कारण

■महिलाओं के घुटनों में दर्द पुरुषों की तुलना में अधिक रहता है। इसकी एक वजह महिला और पुरुष की शारीरिक संरचना में अंतर है। दरअसल महिलाओं के जॉइंट्स की मूवमेंट्स अधिक होने के साथ ही उनके लिगामेंट्स भी अधिक लचीले होते हैं। चूंकि महिलाओं के घुटनों की मूवमेंट अधिक रहती है, इसके कारण दर्द की संभावना बढ़ जाती है।

■महिलाओं में मासिक धर्म चक्र के दौरान मेनोपॉज के बाद एस्ट्रोजन हार्मोंस का स्तर कम हो जाता है। एस्ट्रोजन महिलाओं में पाया जाने वाला हार्मोन है, जो घुटनों को स्वस्थ बनाने में सहायक है। लेकिन पीरियड्स में एस्ट्रोजन हार्मोन का स्तर कम होने से घुटनों पर असर पड़ता है।

■घुटनों में चोट लगने पर उसका सही और तुरंत इलाज न कराने पर भविष्य में दर्द का खतरा बढ़ सकता है।

■जब आप जरूरत से ज्यादा व्यायाम या दौड़ लगाते हैं तो नी कैप और टेंडन पर दबाव पड़ता है और जोड़ों में दर्द बढ़ जाता है। आवश्यकता से अधिक व्यायाम सेहत के लिए नुकसानदायक है।

■पुरुषों की तुलना में महिलाओं के जोड़ों में दर्द की एक वजह वजन और मोटापा है। पुरुषों की अपेक्षा अधिकतर महिलाएं मोटापे की समस्या का शिकार होती हैं। अधिक वजन के कारण घुटनों पर दबाव पड़ता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, वजन जितना अधिक होगा, उसका पांच गुना अधिक दबाव घुटनों पर पड़ेगा।

■अक्सर हल्का दर्द होने पर लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं, जो घुटनों में अधिक दर्द का संभावना को बढ़ा देता है। ऑस्टियोआर्थराइटिस रिसर्च सोसायटी इंटरनेशनल की रिपोर्ट के मुताबिक, व्यक्ति को एक साल से अधिक समय से अगर घुटनों में दर्द हो रहा है तो इसकी वजह ऑस्टियोअर्थराइटिस हो सकती है।

जोड़ों के दर्द से बचाव के उपाय

■घुटनों या जोड़ों में दर्द से बचाव के लिए शरीर को स्वस्थ रखने की जरूरत है। इसके लिए अगर आप व्यायाम करते हैं तो ऐसे व्यायाम को चुनें तो घुटनों की कार्टिलेज को बचाए। घुटनों के दर्द से बचाव के लिए तैराकी और साइकिलिंग कर सकते हैं। व्यायाम की यह एक्टिविटी भविष्य में घुटनों को नुकसान पहुंचने से बचाती हैं।

■अधिक वजन के कारण घुटनों पर दबाव पड़ता है, इसलिए संतुलित वजन बनाएं रखें ताकि घुटनों पर प्रेशर न पड़े और दर्द की संभावना को कम किया जा सके।

■जरूरत से ज्यादा व्यायाम से भी जोड़ों में दर्द होने लगता है। कई बार अधिक उत्साही होने से जैसे तेजी से उठना, बैठना या चलना दर्द का कारण बनते हैं। जुंबा, फंक्शनल वर्कआउट, सूर्य नमस्कार, पद्मासन का अधिक अभ्यास दर्द को बढ़ा सकता है। इसलिए विशेषज्ञ की सलाह के मुताबिक ही व्यायाम करें।

■अगर घुटनों में सूजन है, या दर्द हो रहा है तो इसे नजरअंदाज न करें, बल्कि तुरंत चिकित्सीय सलाह लें। घुटनों की समस्या को अनदेखा करने से भविष्य में परेशानी अधिक बढ़ जाती है।

कोरोना से बचा रही बूस्टर डोज, जानें वैक्सीन की तीसरी खुराक क्यों है जरूरी

कोरोना महामारी के जोखिम से बचाव के लिए कोविड 19 वैक्सीन की अतिरिक्त बूस्टर डोज को कारगर माना जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पहले ही अधिक जोखिम वाले समूहों जैसे स्वास्थ्य कर्मियों, 60 साल से अधिक आयु के लोगों या इम्युनो कॉम्प्रोमाइजिंग स्थितियों के लोगों के लिए mRNA कोविड 19 वैक्सीन की अतिरिक्त बूस्टर डोज के फायदेमंद होने का दावा किया था। जिसके बाद अब दिल्ली में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को लेकर जो रिपोर्ट सामने आई है, वह इन दावों को सच साबित करती है। दिल्ली में तेजी से कोरोना फैल रहा है। इस बीच अस्पताल में भर्ती कोरोना मरीजों को लेकर एक नया खुलासा हुआ है। जितने भी कोविड मरीज अस्पताल में भर्ती हैं, उनमें से 90 फीसदी लोगों ने कोरोना वैक्सीन की सिर्फ दो ही डोज ली हैं, यानी इन मरीजों को बूस्टर डोज नहीं लगी है। वहीं 10 फीसदी कोरोना मरीज बूस्टर डोज के बाद संक्रमित हुए हैं। इस आंकड़े से पता चलता है कि कोरोना वैक्सीन की बूस्टर डोज लगवाने वाले लोग अन्य की अपेक्षा महामारी से ज्यादा सुरक्षित हैं। चलिए जानते हैं कि कोविड की बूस्टर डोज कब और किसको लगाई जा सकती है, साथ ही कोरोना वायरस पर कितनी असरदार है कोविड वैक्सीन की तीसरी खुराक।

बूस्टर डोज क्या है?

कोरोना महामारी से बचाव के लिए लोगों को कोविड 19 वैक्सीन की दो खुराक लगाई जाती हैं। इन दो खुराक के बाद अब जो तीसरी खुराक दी जा रही है, उसे ही बूस्टर डोज कहते हैं। बूस्टर डोज रोग निरोधक क्षमता को बढ़ाने का काम करती है। इसे प्रिकॉशन डोज या एहतियातन डोज भी कह सकते हैं।

कब लगवाएं बूस्टर डोज?

एक सामान्य सिद्धांत के मुताबिक, वैक्सीन की

प्राइमरी सीरीज पूरी होने के 4-6 महीने बाद बूस्टर दी जा सकती है। यह खास तौर पर ओमिक्रॉन के संदर्भ में है। भारत सरकार ने हाल ही बूस्टर डोज लगवाने का अंतराल कम कर दिया है। पहले दूसरी डोज दिए जाने के 9 महीने बाद बूस्टर डोज लगवा सकते थे। लेकिन अब इसे कम करके 6 महीने कर दिया गया है। जिन लोगों को दूसरी डोज लगवाए 6 महीने हो गए हैं, वह बूस्टर डोज ले सकता है।

कौन लगवा सकता है बूस्टर डोज?

पहले केवल बुजुर्गों के लिए बूस्टर डोज जरूरी बताई गई थी, लेकिन अप्रैल से भारत सरकार ने बूस्टर डोज का दायरा बढ़ाने का फैसला लिया। अब 18 साल से अधिक आयु का हर शख्स बूस्टर डोज लगवा सकता है। अगर आप कोरोना से संक्रमित हुए हैं तो ठीक होने के तुरंत बाद वैक्सीन या बूस्टर डोज नहीं लगवा सकते हैं। कोरोना से रिकवरी के तीन महीने बाद ही आप बूस्टर डोज ले सकते हैं।

कितनी असरदार है बूस्टर डोज?

एक अध्ययन के मुताबिक, समय के साथ कोरोना वायरस के खिलाफ व्यक्ति की इम्युनिटी कम होने लगती है। ऐसे में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए बूस्टर डोज जरूरी है। बीते मार्च में राज्यसभा में स्वास्थ्य राज्य मंत्री डॉ. भारती पवार ने बूस्टर डोज के असर को लेकर कहा कि एस्ट्राजेनेका या कोविशील्ड की तीसरी डोज को लेकर जो अंतरराष्ट्रीय डेटा सामने आया है, उसके मुताबिक वैक्सीन की तीसरी डोज लेने वालों की एंटीबॉडी में 3 से 4 गुना की बढ़ोतरी हुई है।

बिना बूस्टर डोज लेने वाले 90 फीसदी लोगों के संक्रमित होने पर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया का कहना है कि कोरोना वैक्सीन की बूस्टर डोज लगवाने लोग अन्य की अपेक्षा महामारी से ज्यादा सुरक्षित हैं। इसलिए दिल्लीवासियों को कोरोना से सुरक्षित रखने के लिए एहतियाती खुराक के टीकाकरण की गति बढ़ा दी गई है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-

9303289950, 9827806026, 8962815243

SHRI SAI
COMMERCE COACHING
A Complete Commerce Solution
ONLINE CLASS
XI th XII th B.COM
CA/CS/CMA
Registration Open
KHOOBI SIR- Director
Sirsa Road, Kohka, Bhilai, Mo.-98935-82241
www.shri.sai.commercecoaching.com

YOGESH COMPUTER
Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware
CCTV Camera
Networking
Software
Yogesh Sirame
Mo-9893342971
7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road
Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

Paul Sir
BANK P.O.
& CLERK,
MBA,
RLY.,
SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER,
Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

अच्छी बारिश होने पर भगवान भीमसेन को चढ़ावा चढ़ाने पहुंचे 84 गांव के ग्रामीण

दंतेवाड़ा। जिले में अच्छी बारिश हुई है, किसान अच्छी फसल होने की संभावना भी जता रहें हैं। पर्याप्त वर्षा की प्रसन्नता व्यक्त करने दंतेवाड़ा के कुआकोंडा ब्लाक के 84 गांव के लोग सैकड़ों की संख्या में उदेला के भीमसेन पहाड़ पर गाजे-बाजे के साथ पहुंचे। ग्रामीणों ने पूजा कर करीब 05 फीट के पत्थर जिसे ग्रामीण भीमसेन स्वरूप पूजते हैं, उस पत्थर को पुजारी गायता के द्वारा हिलाया गया तथा परंपरानुसार इसकी पूजा की गई। इस पहाड़ी पर मौजूद भीमसेन पत्थर को ग्रामीण वर्षा नही होने पर पूजते हैं, जिससे यहां वर्षा होती है। लेकिन इस वर्ष अच्छी वर्षा हुई तो भीमसेन भगवान को चढ़ावा चढ़ाने पहुंचे कुआकोंडा परगना के सभी 84 गांव से हर गांव से एक मुर्गा या बकरा लेकर यहां पहुंचे थे। ग्रामीणों ने बताया कुआकोंडा ब्लाक में वैसे तो 33 ग्राम पंचायत हैं, पर परगना के हिसाब से 84 गांव हैं। ग्रामीण पूजा अनुष्ठान के बाद यहां सामूहिक रूप से खाना बनाते हैं। कुआकोंडा के मांझी लक्ष्मीनाथ की बात मानें तो कुआकोंडा क्षेत्र के ग्रामीण 50 सालो से भी अधिक समय से उदेला पहाड़ पर 05 फिट के पत्थर को भीमसेन भगवान मानकर पूजते आ रहें हैं।

बस्तर आर्ट गैलरी में कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान की फोटो प्रदर्शनी कल

जगदलपुर। बस्तर जिले के अंर्तगत कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान प्राकृतिक संपदा से परिपूर्ण है। राष्ट्रीय उद्यान की नैसर्गिक सुंदरता और संस्कृति को कैमरे में कैद कर प्रदर्शनी के माध्यम से शहर वासियों के लिए 18-19 अगस्त 2022 को बस्तर आर्ट गैलरी, दलपत सागर के पास आयोजन किया जा रहा है। निदेशक कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान धम्मशील गणवीर द्वारा फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन करने हेतु नागरिकों से अपील की गई है। ज्ञात हो कि विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान और क्लिक बस्तर के सौजन्य से फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। विजेताओं को प्रथम पुरस्कार 11 हजार रुपए, द्वितीय पुरस्कार 08 हजार रुपए तथा तृतीय पुरस्कार 05 हजार रुपए नगद दिया जाएगा। इस अवसर पर 18 अगस्त को फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन समारोह संध्या 06 बजे से बस्तर आर्ट गैलरी में होगा। तद्पश्चात 19 अगस्त को संध्या 07 बजे पुरस्कार वितरण और प्रदर्शनी का समापन होगा।

न्याय और सशक्तीकरण के छत्तीसगढ़ मॉडल का चोटी से किया प्रदर्शन

छत्तीसगढ़ की बेटी अंकिता ने यूरोप के सबसे ऊंची चोटी माउंट एलब्रुस पर फहराया तिरंगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की बेटी अंकिता गुप्ता ने 15 अगस्त को स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव के गौरवशाली अवसर पर यूरोपीय महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एलब्रुस पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा दिया तिरंगा फहराया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने यूरोप जाने से पहले विगत 3 अगस्त को युवा पर्वतारोही सुश्री अंकिता को अपने निवास में राष्ट्रीय ध्वज भेंट किया था। मुख्यमंत्री बघेल और मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने सुश्री अंकिता गुप्ता को इस सफलता पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

सुश्री अंकिता गुप्ता मूलत: कवर्धा की रहने वाली है। वर्तमान में वह कबीरधाम जिले में पुलिस विभाग के अंतर्गत आरक्षक के पद पर कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा

सुश्री अंकिता को यूरोप में पर्वतारोहण में शामिल होने के लिए पांच लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी गई है।

यूरोपीय महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एलब्रुस (पश्चिम) की ऊँचाई 5642 मीटर यानी 18,510 फिट है, यहां का तापमान माईनस 25 से माईनस 30 डिग्री सेल्सियस तक और हवा की गति 45 से 50 किलोमीटर तक रहती है। इन विषम परिस्थितियों में भी 15 अगस्त की सुबह 5 बजकर 43 मिनट में तिरंगा लहराकर सुश्री अंकिता ने आजादी के 76वीं वर्षगांठ को और यादगार बना दिया। चोटी पर पहुंचकर सुश्री अंकिता ने राज्य सरकार के न्याय एवं सशक्तिकरण के छत्तीसगढ़ मॉडल को प्रदर्शित किया। इसके बाद उन्होंने दूसरे ही दिन 16 अगस्त को यूरोप महाद्वीप में स्थित 5621 मीटर ऊंचे माउंट एलब्रुस (पूर्व) पर्वत पर सुबह 4 बजकर 23 मिनट पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। अंकिता गुप्ता ने कहा कि यह सफलता मेरे देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व शहीदों को समर्पित है। उन्होंने आर्थिम मदद के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों के प्रेम व आशीर्वाद से सब सम्भव हुआ है। उन्होंने बताया कि विगत जनवरी माह में माइनस 39 डिग्री सेल्सियस पर लेह लद्दाख के यूटी कांगड़ी की 6080 मीटर ऊंची चोटी फ्तेह की थी। उनका लक्ष्य अब सातों महाद्वीपो के चोटी में तिरंगा फहराकर देश का मान सम्मान बढ़ाना है।

सुश्री अंकिता ने मंत्री मोहम्मद अकबर के प्रति आभार प्रकट करते हुए बताया कि पर्वतारोहण की प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए उसने कैबिनेट मंत्री व कवर्धा विधायक मोहम्मद अकबर के माध्यम से मुख्यमंत्री बघेल को स्वेच्छाअनुदान मद से पांच लाख रूपए की मांग की थी। श्री अकबर ने छत्तीसगढ़ तथा राष्ट्र गौरव को विशेष ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री श्री बघेल से उनके आवेदन पर शीघ्रता से विचार करते हुए राशि स्वीकृत करने का आग्रह किया था।

साईबर अपराध रोकने चलाये जा रहे अभियान, सुनो रायपुर के अंतर्गत जागरूकता लाने कार्यशाला का आयोजन

इस अभियान को चेम्बर एवं व्यापारियों द्वारा रायपुर से पुर प्रदेश स्तर तक प्रचार-प्रसार किया जायेगा-अमर पारवानी

आपकी सतर्कता ही सुरक्षा है– प्रशांत अग्रवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी ,विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा साइबर सिक्योरिटी के प्रति व्यापारियों में जागरूकता लाने तथा लगातार बढ़ रहे साइबर क्राईम को रोकने हेतु छत्तीसगढ़ चेम्बर एवं पुलिस विभाग रायपुर के संयुक्त तत्वाधान में आज चेम्बर भवन में ऑनलाइन फ्रॉड, साइबर एवं सिक्योरिटी जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में श्री प्रशांत अग्रवाल जी उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर होंगे ।

मुख्य वक्ता के रूप में साइबर फॉरेंसिक एक्सपर्ट सुश्री मोनाली गुहा जी होंगी । विशिष्ट अतिथि में सुखनंदन राठौर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायपुर (शहर), कीर्तन राठौर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायपुर (ग्रामीण), देव चरण पटेल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पश्चिम रायपुर, अभिषेक माहेश्वरी जी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्राइम रायपुर एवं श्री अविनाश मिश्रा सी.एस.पी. कोतवाली रायपुर उपस्थित हुए ।

चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी ने बताया कि बदलते तकनीकी युग में बैंकिंग सुविधाओं का ऑनलाइन प्रयोग करते हुए हम अज्ञानतावश फर्जी वेबसाइटों के चंगुल में आकर आर्थिक नुकसान के शिकार बन जाते हैं। उन्होंने बताया कि कुछ सावधानियां रखने पर ऐसे नुकसानों से बचा जा सकता है । इसी तारतम्य में आज चेम्बर भवन में ये कार्यशाला आयोजित की गई है । पुलिस प्रशासन द्वारा 7 दिवसीय सुनो रायपुर कार्यक्रम किया जा रहा है जिसे प्रदेश तथा राष्ट्रीय स्तर तक ले जाने की आवश्यकता है । कार्यशाला में उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि डिजिटल अपराध को केवल आप ही रोक सकते हैं जागरूक होकर। कोई अपराध होने से पहले ही उसे रोकने के उपाय करना उचित होता है। फर्जी खाते खुल जाते है और उस व्यक्ति को पता भी नही होता। अग्रवाल जी ने कहा कि पिछले कोरोना काल से सोशल मीडिया में, इंटरनेट में लोग ज्यादा समय बिताते है जिससे उनके डिजिटल अपराध के शिकार होने का खतरा बढ़ जाता है।

वर्तमान में विभिन्न तरीकों से हो रहे फ्रॉड के बारे में जानकारी देते हुए निम्न जानकारियां दीं जैसे:- व्हाट्सएप में मैसेज में +92 से मैसेज आते है जिसमे लिंक होता है उसे बिना जानकारी के क्लिक ना करें, नए-नए अपलिकेशन डाउनलोड करवाए जाते हैं जिससे आपकी पूरी जानकारी उन्हें मिल जाती है। मोबाईल में मिलने वाले लोन और लॉटरी से सम्बंधित मैसेजों से हमेशा बचें। कॉल पर किसी भी व्यक्ति को अपनी अतिरिक्त जानकारी न देवें ।

चेम्बर द्वारा किये जा रहे लोक कल्याण कार्यों पर बधाई देते हुए अंत में अग्रवाल जी ने कहा कि फ्रॉड कभी भी किसी के साथ हो सकता है। जिसे आपकी सतर्कता से बहोत आसानी से रोका जा सकता है अन्यथा फ्रॉड होने के बाद उसे सुलझाना उतना ही कठिन है अत: हमे हमेशा सचेत रहने की आव्यश्याक्ता है।

कार्यशाला में व्यापारियों द्वारा मोबाईल खरीदने के दौरान पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही पर कहा कि निर्धारित मूल्य से यदि बहुत कम कीमत पर आपके पास कोई मोबाईल बेचने आता है तो आप समझिये की वह फ्रॉड है, ऐसे लोगों से सावधान रहने की आवश्यकता है (अभिषेक माहेश्वरी जी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्राइम रायपुर) ।

सांसद व प्रभारी मंत्री, विधायकों की मौजूदगी में संपन्न हुआ शपथ ग्रहण व किसान सम्मेलन

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के नवनियुक्त प्राधिकृत अधिकारी शंकर ध्रुवा ने पदभार ग्रहण किया। बुधवार 17 अगस्त को शहीद वीर नारायण सभागार में समारोह में प्रभारी मंत्री कवासी लखमा के प्रतिनिधि के तौर पर सांसद दीपक बैज ने शपथ ग्रहण की विधि पूरी करवाई। इस अवसर पर संसदीय सचिव रेखचंद जैन, छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड के अध्यक्ष चंदन कश्यप, बस्तर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विक्रम शाह मंडावी, चित्रकोट विधायक राजमन बेंजाम, अंतागढ़ विधायक अनूप नाग, वनोपज सहकारी समिति के कांकेर जिलाध्यक्ष नितिन पोटाई, जगदलपुर महापौर श्रीमती सफीरा साहू सहित जनप्रतिनिधि एवं किसान उपस्थित थे।

शंकर ध्रुवा ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा उन्हें सहकारिता के क्षेत्र में कार्य करने का एक अवसर प्रदान किया है। इसी कड़ी में आज वे जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के प्राधिकृत अधिकारी के तौर पर शपथ ग्रहण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर में 1949 से यह बैंक निरंतर किसानों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। वर्तमान में 46 बैंक शाखा और 258 सहकारी समितियां संचालित हैं। विशाल भू-भाग में फैले बस्तर के जनता की मांग पर 16 नई बैंक शाखाओं की घोषणा मुख्यमंत्री द्वारा की गई है, जिसका संचालन शीघ्र ही किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वे किसानों को सुगमतापूर्वक खाद, बीज और दवा उपलब्ध कराते हुए किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन के किसान हितैषी निणयों के कारण किसानों में खुशी है। प्रभारी मंत्री कवासी लखमा ने कहा कि शंकर ध्रुवा स्वयं किसान हैं तथा वे परिश्रमी एवं इमानदार हैं। शंकर ध्रुवा की शिक्षा-दीक्षा अंचल के किसानों के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार किसान, वनोपज संग्राहक, भूमिहीन मजदूरों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस सरकार ने कार्यभार ग्रहण करने के महज दो घंटे के भीतर किसानों के कर्जमाफी का निर्णय लिया, जो अन्य किसी सरकार ने नहीं किया है। बस्तर सांसद दीपक बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार किसानों की सरकार है।

हलषष्ठी व्रत का नगर में धूमधाम के साथ मनाया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। संतान की दीर्घायु और कुशलता की कामना लिए महिलाएं हर साल हलषष्ठी का व्रत रखती हैं। मान्यता है कि इस दिन व्रत रखने से संतान को सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है। इस साल हलषष्ठी का व्रत बुधवार,17 अगस्त को रखा गया। बलराम जी का मुख्य शस्त्र हल और मूसल है इसलिए उन्हें हलधर भी कहा जाता है एवं उन्हीं के नाम पर इस पावन पर्व का नाम हल षष्ठी पड़ा है। हलषष्ठी के दिन माताओं को महुआ की दातुन और महुआ खाने का विधान है।

हलषष्ठी के दिन महिलाएं सुबह स्नान करके व्रत का संकल्प लेती हैं। इसके बाद घर या बाहर कहीं भी दीवार पर भैंस के गोबर से छठ माता का चित्र बनाते हैं। फिर दूध,घी,सूखे मेवे,लाल चावल भगवान गणेश और माता पार्वती की पूजा की पूजा कर छठ माता की पूजा की जाती है।कई जगह महिलाएं घर में ही गोबर से प्रतीक रूप में तालाब बनाकर,उसमें झरबेरी,पलाश और कांसी के पेड़ लगाती हैं और वहां पर बैठकर पूजा अर्चना करती हैं एवं हल षष्ठी की कथा सुनती हैं।मान्यता के अनुसार इस व्रत में इस दिन आदि का सेवन किया जाता है। इस दिन गाय के दूध व दही का सेवन नहीं करना चाहिए।

हलषष्ठी का व्रत गरियाबंद नगर में धूमधाम के साथ मनाया गया।ज्ञात ही कि हलषष्ठी का त्योहार महिलाएं संतान की प्राप्ति और परिवार में सुख-समृद्धि के लिए हलषष्ठी का व्रत रखती हैं। नवविवाहित स्त्रियां भी संतान की प्राप्ति के लिए यह व्रत करती हैं। इसके साथ बलराम जयंती होने के कारण इस दिन खेती में उपयोग होने वाले उपकरणों की पूजा भी की जाती है।हलषष्ठी व्रत की सबसे प्रचलित कथा के अनुसार एक ग्वालिन दूध दही बेचकर अपना जीवन व्यतीत करती थी। एक बार वह गर्भवती दूध बेचने जा रही थी तभी रास्ते में उसे प्रसव पीड़ा होने लगी। इस पर वह एक झरबेरी पेड़ के नीचे बैठ गई और वहीं पर एक पुत्र को जन्म दिया। ग्वालिन को दूध खराब होने की चिंता थी इसलिए वह अपने पुत्र को पेड़ के नीचे सुलाकर पास के गांव में दूध बेचने के लिए चली गई। उस दिन हलछठ का व्रत था और सभी को भैंस का दूध चाहिए था लेकिन ग्वालिन ने लोभवश गाय के दूध को भैंस का बताकर सबको दूध बेच दिया।

इससे छठ माता को क्रोध आया और उन्होंने उसके बेटे के प्राण हर लिए। ग्वालिन जब लौटकर आई तो रोने लगी और अपनी गलती का अहसास किया। इसके बाद सभी के सामने उसने अपना गुनाह स्वीकार कर पैर पकड़कर माफी मांगी।इसके बाद हर छठ माता प्रसन्न हो गई और उसके पुत्र को जीवित कर दिया। इस वजह से ही इस दिन पुत्र की लंबी उम्र की कामना से हलछठ का व्रत व पूजन किया जाता है।

बाल सम्प्रेक्षण गृह में हुआ लाइफ स्किल ट्रेनिंग का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर । संप्रेक्षण गृह में रह रहे किशोरों के बीच मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से जगदलपुर स्थित बाल संप्रेक्षण गृह में लाइफ स्किल ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। इस मौके पर 27 किशोरों को उनके जीवन में सकारात्मक सुधार लाने के लिए बेहतर जीवन कौशल के बारे में बताया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से संप्रेक्षण गृह में रह रहे किशोरों को जीवन के संघर्षों और जीवन में आने वाली चुनौतियों से निपटने के साथ साथ तनाव को कम करने के गुण भी बताए गए।

इस सम्बन्ध में मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी डॉक्टर ऋभ साव ने बताया: 'बच्चों का विकास उसके व्यक्तित्व के संपूर्ण पहलुओं को ध्यान में रखते हुए किया जा सकता है। यही वजह है कि किशोरों में जीवन कौशल प्रशिक्षण की बड़ी अहमियत होती है। जीवन कौशल शिक्षा परेशानियों से जूझने और संघर्ष करने का हौसला देती है। इस सम्बंध में स्पर्श क्लीनिक की क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट मोनिका द्वारा संप्रेक्षण गृह में रह रहे किशोरों के साथ मानसिक स्वास्थ्य के विषय पर चर्चा कर जीवन कौशल के बारे में बताया गया। साथ ही मन में आ रहे बदलाव से पूर्व मिलने वाले संकेतों के बारे में भी जानकारी दी गयी।

कार्यक्रम आयोजन के दौरान क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट मोनिका ने जानकारी देते हुए प्रतिभागियों को बताया: एक अच्छा जीवन जीने के लिए हमें अपने जीवन में कुछ नियम बनाने होंगे वही नियम हमारे जीवन कौशल को बेहतर करेंगे। दिन-प्रतिदिन रोजमर्रा की जिंदगी में होने वाले तनाव व परेशानियों का सामना करते हुए बेहतर उपाय कर जीवन को अच्छे तरीके से जीना सीखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति के लिये जीवन कौशल प्रशिक्षण अति आवश्यक है। आगे जानकारी देते हुए उन्होंने बताया : किशोरों को प्रभावी संवाद, गंभीर चिंतन, समस्याओं को हल करने का नजरिया, एवं भावनाओं पर नियंत्रण के माध्यम से एक बेहतर जीवन जीने की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि आपसी मेलजोल के साथ कैसे अपने आसपास का वातावरण को किस प्रकार से सुंदर किया जा सकता है।

लाश का धड़ गायब: युवक को जंगली जानवर ने बुरी तरह नोचा

कोरबा (ए)। कोरबा के पसान थाना इलाके में एक युवक को जंगली जानवर ने बुरी तरह से नोचकर मार डाला। घटना अडसरा के जंगल की है, जहां से बुधवार रात 24 साल का सुरेश कुमार अपने दोस्त राहुल के साथ बाइक से गुजर रहा था। इसी दौरान बाइक में पेट्रोल खत्म हो गया। दोनों दोस्त पैदल चलने लगे, लेकिन सुरेश पीछे छूट गया। इसी बीच जंगली जानवर ने उस पर हमला कर दिया। युवक की खून से लथपथ लाश मिली है, जिसका धड़ गायब है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

आधी रात जंगल में बाइक का पेट्रोल हुआ खत्म

सेनहा निवासी 26 वर्षीय राहुल कुमार के घर पर छठी का कार्यक्रम था। रात के वक्त वहां रामायण का पाठ चल रहा था। साउंड बॉक्स खराब होने पर दूसरा साउंड बॉक्स लेने के लिए राहुल गांव में ही रहने वाले अपने दोस्त सुरेश कुमार के साथ निकला। दोनों दोस्त एक ही बाइक पर सवार थे, लेकिन इसी बीच गाड़ी में पेट्रोल खत्म हो गया। इसके बाद दोनों बाइक से नीचे उतर गए। राहुल बाइक को लेकर पैदल चलने लगा, वहीं सुरेश उसके पीछे-पीछे आने लगा।

पीछे छूटा सुरेश

रात का समय होने के कारण जंगल में काफी अंधेरा था। इस बीच जब राहुल ने देखा कि सुरेश कुछ बात नहीं कर रहा या उसके चलने की आवाज नहीं आ रही, तो उसने सोचा कि शायद वो थक कर कहीं रुक गया होगा। वहीं हल्की-हल्की बारिश भी हो रही थी। राहुल इस बीच गांव अडसरा पहुंच गया। जब बहुत समय बीत जाने के बाद भी सुरेश नहीं पहुंचा, तो फिर उसने गांववालों को इसकी जानकारी दी।

गांववालों ने जंगल में की तलाश, मिली खून से लथपथ लाश

गांव के लोगों ने जंगल में सुरेश की तलाश शुरू की, तब जाकर उसकी लाश पेड़ के पास खून से लथपथ हालत में मिली। सुरेश का धड़ भी गायब था और उसे नोचने के निशान थे। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना पसान थाना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की। पसान थाना प्रभारी शिव कुमार धारी ने बताया कि शव के पास से जंगली जानवर के कुछ बाल मिले हैं, जिससे आशंका है कि जानवरों ने ही युवक को नोचकर मौत के घाट उतारा है।

पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया शव

पसान थाना प्रभारी शिव कुमार धारी ने बताया कि फिलहाल शव का पंचनामा कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। रिपोर्ट आने पर ही मौत की सही वजहों का खुलासा हो सकेगा। पसान वन परिक्षेत्र के धर्मेंद्र चौहान ने बताया कि घटना की जानकारी उन्हें अब तक नहीं दी गई है। घटना का पता लगाया जाएगा कि आखिर युवक की मौत कैसे हुई है। फिलहाल मृतक के परिजनों को कोई मुआवजा राशि नहीं दी गई है।

बदमाशों को चाकू बेचने वाला दुकानदार गिरफ्तार

फ्लिपकार्ट से मंगवाता था, गिफ्ट शॉप की आड़ में चल रहा था धंधा, 31 डिजाइनर चाकू बरामद

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में पुलिस ने ऑनलाइन शॉपिंग कंपनी फ्लिपकार्ट से चाकू मंगाकर बदमाशों को बेचने वाले एक व्यापारी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 31 डिजाइनर चाकू बरामद किए गए हैं। आरोपी गिफ्ट दुकान की आड़ में चाकू बेचने का अवैध कारोबार कर रहा था। लगातार हो रही चाकूबाजी की घटनाओं के बाद पुलिस की टीम ने यह कार्रवाई की है। मामला तारबाहर थाना क्षेत्र का है।

कुछ महीनों से शहर में लगातार चाकूबाजी की घटनाएं हो रही हैं। इसे देखते हुए एसएसपी पारुल माथुर ने सभी थाना प्रभारियों को चाकू बेचने वालों की जानकारी जुटाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट भी इनकी तलाश में थी। टीम ने ऑनलाइन चाकू मंगाने वालों की जानकारी जुटाई, तो पता चला कि सिटी कोतवाली क्षेत्र के कश्यप कॉलोनी निवासी प्रदीप कुमार वाधवानी (35) फ्लिपकार्ट से लगातार चाकू मंगा रहा था।

गिफ्ट और स्टाइल बेल्ट कार्नर की है दुकान

पुलिस ने प्रदीप वाधवानी की जानकारी जुटाई, तब पता चला कि वह विनोबा नगर में स्टाइल बेल्ट और गिफ्ट कार्नर के नाम से दुकान चलाता है। पुलिस ने पूछताछ में

आरोपी ने बताया कि वह ऑनलाइन चाकू मंगाकर शहर के बदमाश और नशेड़ी युवकों को बेचता था। वह 700 से 1000 रुपए में युवकों को डिजाइनर व बटनदार चाकू उपलब्ध कराता था। पुलिस ने उसके पास से 31 डिजाइनर और बटनदार चाकू भी बरामद किया है।

एसएसपी पारुल माथुर ने बताया कि शहर में इस तरह से ऑनलाइन चाकू मंगाने वालों की जानकारी जुटाई जा रही है। इसके लिए पुलिस की टीम ऑनलाइन शॉपिंग कंपनी से संपर्क कर चाकू का आर्डर करने वालों की जानकारी मांगी है। उन्होंने बताया कि शहर में इस तरह से अवैध कारोबार करने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी।

बीते पांच माह में चाकूबाजी की घटनाएं बढ़ी है। पुलिस का कहना है कि छोटे-छोटे मामूली विवाद में भी नशेड़ी और बदमाश किस्म के नाबालिग चाकू मार रहे हैं। स्थिति यह है कि पिछले पांच माह के भीतर ही 100 से अधिक चाकूबाजी की घटनाएं हो चुकी है। यही वजह है कि पुलिस अब चाकू बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

प्रेमिका के हाथ की नस काट घोंट दिया गला

कोर्ट कर्मचारी से किया दुष्कर्म, शादी का दबाव बनाया तो हत्या कर दी

जांजगीर-चांपा (ए)। जांजगीर-चांपा में महिला प्यून के अंधे कत्ल की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। 14 अगस्त को महिला की लाश रायगढ़ के खरसिया थाना क्षेत्र के पलगढ़ घाट के जंगल में बरामद की गई थी। मृतका बेमेतरा के कुटुंब न्यायालय में पदस्थ थी। पुलिस ने बताया कि 15 अगस्त को मृतका के पिता ने जांजगीर-चांपा जिले के डभरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

मृतका के पिता ने बताया था कि उनकी बेटी 14 अगस्त की सुबह 9 बजे अपने घर से बेमेतरा में दफ्तर जाने के लिए स्कूटी से निकली थी। सुबह 11 बजे से उसका मोबाइल स्विच ऑफ बता रहा था। थोड़ी देर बाद फिर उन्होंने कॉल किया, लेकिन फिर भी मोबाइल बंद ही था। इससे वे परेशान हो गए। इसके बाद 14 अगस्त की रात में भी जब बेटी घर वापस नहीं लौटी, तब जाकर उन्होंने अगली सुबह थाने में केस दर्ज कराया।

पिता की रिपोर्ट पर डबरा थाने में गुम इंसान का केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। इस दौरान लापता युवती के परिजनों ने ग्राम

सीसीटीवी फुटेज में युवती के साथ दिखा आरोपी

सुखदा में रहने वाले शंकर लाल केवट (24 वर्ष) पर संदेह जताया। उन्होंने कहा कि उनकी बेटी की बात अक्सर इस लड़के से होती थी। इसके बाद पुलिस ने साइबर सेल की मदद लेकर जांच शुरू की। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू किए। सीसीटीवी फुटेज में रायगढ़ जिले के खरसिया के ग्राम पलगढ़ में 14 अगस्त को करीब 11 बजे लापता युवती एक लड़के के साथ जाती हुई दिखाई दी। उनकी स्कूटी पलगढ़ घाटी की ओर जाती नजर आई थी। लगभग 12 बजे स्कूटी पर युवक अकेला आता हुआ नजर आया था।

सीसीटीवी फुटेज और उनकी लोकेशन से ये साफ हो गया कि लापता युवती शंकर लाल केवट के साथ गई थी और वापस नहीं लौटी। इन सबूतों के आधार पर जांजगीर-चांपा की डभरा पुलिस ने शंकर लाल को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ शुरू की। आरोपी पुलिस की कड़ाई से टूट गया और अपना जुर्म कबूल कर लिया। डभरा एसडीओपी भवानी शंकर खुंटिया ने बताया कि आरोपी ने कत्ल की पूरी दास्तां बताई। उसने कहा कि दोनों के बीच प्रेम संबंध थे। 14 अगस्त को बाढ़ के कारण कई जगह रास्ते बंद थे। ऐसे में वो बेमेतरा जाने के लिए रास्ता बताने की बात कहकर युवती को भदरी चौक फगुरम बुलाया था। इसके बाद वो अपनी बाइक से और लड़की अपनी स्कूटी से खरसिया रेलवे स्टेशन तक गए।

आरोपी ने अपना जुर्म कबूला

आरोपी शंकर लाल ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि यहां उसने अपनी बाइक रेलवे स्टेशन में ही रख दी और लड़की को उसकी स्कूटी पर बैठाकर पलगढ़ जंगल ले गया। आरोपी ने कहा कि यहां उसने युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद युवती उस पर शादी के लिए दबाव बनाने लगी, जिस पर विवाद हो गया। तब तैश में आकर उसने युवती की कलाई को ब्लेड से काट दिया और फिर उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। जुर्म कबूल करने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

शादी के 5 माह बाद जिंदा जल गई महिला

परिजन बोले-केरोसीन डाल खुद को लगाई आग

दुर्ग (ए)। दुर्ग जिले के नंदिनी थाना अंतर्गत एक नव विवाहिता ने अपने ऊपर मिट्टी का तेल छिड़क कर आग लगा ली। वहीं मृतिका के पिता ने पुलिस से हत्या की आशंका जाहिर की है। उनका कहना है कि उसकी बेटी की शादी को मात्र 5 महीने हुए हैं। वह खुदकुशी नहीं कर सकती है।

नंदिनी टीआई राजेश मिश्रा ने बताया कि बुधवार दोपहर उन्हें एक नव विवाहिता राधिका गायकवाड़ (21) के खुदकुशी करने की सूचना मिली थी। उसने मिट्टी तेल डालकर खुद को आग के हवाले कर दिया था। पुलिस जब मौके पर पहुंची मृतिका पूरी तरह से जल

चुकी थी। परिजनों का कहना है कि जब उसने आत्महत्या की तो उस समय घर पर कोई नहीं था।

राधिका मूलत: सहसपुर लोहारा की रहने वाली थी। उसकी शादी 5 महीने पहले पिटौरा गांव निवासी टूमन लाल गायकवाड़ के साथ हुई थी। पुलिस ने घटना स्थल का मौका मुआयना किया, लेकिन कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ। आत्महत्या का कारण अज्ञात है।

बुलाया गया फोरेंसिक टीम को

नव विवाहिता की खुदकुशी का मामला सामने आने के बाद मामले की जांच के लिए आला पुलिस अधिकारी व फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची। टीम ने राधिका की बॉडी को अच्छे तरह से चेक किया। नायब तहसीलदार राजेन्द्र चंद्राकार के सामने पंचनामा कार्रवाई पूरी की गई। इसके बाद शव को शासकीय अस्पताल सुपेला पीएम के लिए ले जाया गया।

खुदकुशी की सूचना मिलने पर राधिका के माता और पिता घटना स्थल पहुंचे। उनका रो-रोकर बुरा हाल था। पिता मूलचंद बंदे ने डीएसपी संजय पुंढीर से कहा साहब मेरी बेटी की मौत सामान्य नहीं है। उसकी हत्या की गई है। मेरी बेटी ऐसा नहीं कर सकती है। जरूर कोई ऐसी बात हुई होगी, जिससे उसे ऐसा कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा। मेरी बेटी की शादी इसी साल 2 मार्च को हुई थी।

कार्यालय अधिष्ठाता चंदूलाल चंद्राकर स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय कचांदुर, जिला-दुर्ग (छ.ग.) 490024

क्र./चं.चं.शा.चि.मा./क्रय/2022/1924 दुर्ग, दिनांक 10-08-2022

// निविदा सूचना //

चन्दूलाल चन्द्राकर स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय तथा संबद्ध चिकित्सालय, कचान्दुर, दुर्ग (छ.ग.) के लिये सत्र 2022–23 में लगने वाले *Consumables and Equipments* के क्रय हेतु मोहरबंद निविदायें, निर्माताओं की ओर से निर्माता अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि विक्रेताओं (Dealers or Sub-dealers/saller) से सामग्री के अनुसार प्रकाशन की तिथि से पृथक–पृथक आमंत्रित की जाती है । उक्त निविदा महाविद्यालय एवं संबंधित चिकित्सालय दोनो के लिये है । जिसमें महाविद्यालय एवं चिकित्सालय से आवश्यकतानुसार पृथक–पृथक क्रयादेश जारी किया जाएगा एवं सामग्री की पूर्ति होने पर महाविद्यालय एवं चिकित्सालय के आदेशानुसार देयक का भुगतान संबंधित कार्यालय से पृथक–पृथक किया जाएगा ।

क्र.	सामग्री का संक्षिप्त विवरण	अनुमानित लागत (रूपयें में)	अमानत राशि (रूपये में)	शुल्क राशि (रूपये में)
1	Consumables	20,00,000.00	50,000.00	1000.00
2	Equipments	20,00,000.00	50,000.00	1000.00

निविदा बिक्री की अंतिम तिथि : दिनांक 12.09.2022 समय शाम 05.30 बजे तक

निविदा जमा करने की अंतिम तिथि : दिनांक 19.09.2022 समय दोपहर 05.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि : दिनांक 20.09.2022 समय दोपहर 12.00 बजे से

निविदा जमा एवं खोलने करने का स्थान : कार्यालय, अधिष्ठाता चन्दूलाल चन्द्राकर स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, कचान्दुर, दुर्ग (छ.ग.)

अधिष्ठाता
चंदूलाल चंद्राकर स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, कचान्दुर, दुर्ग (छ.ग.)

जी-93631/4

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
अनुबंध कार्य हेतु निविदा सूचना

निविदा सं- 2022/सी./को/एसटीबीए/।।/आर. दिनांक 12.08.2022

कार्य का नाम: दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल के अंतर्गत **एनएसजी-4, एनएसजी-5 और एनएसजी-6 श्रेणी स्टेशनों** पर विभिन्न स्टेशनों पर स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंटों (एसटीबीए) की नियुक्ति के लिए इच्छुक पार्टियों से कम्प्यूटरीकृत अनारक्षित टिकट प्रणाली (यूटीएस) के माध्यम से कम्प्यूटरीकृत अनारक्षित टिकट जारी करने के लिए **एनएसजी-4** पर केवल एक वर्ष की अवधि के लिए और **एनएसजी-6** श्रेणी के स्टेशनों पर तीन वर्ष की अवधि के लिए रेल टिकट बुकिंग एजेंट (एसटीबीएएस) की नियुक्ति।

धरोहर धन राशि: एनएसजी-6 के लिए 2000/- रुपये, **एनएसजी-5** के लिए **5000/-** और **एनएसजी-4** श्रेणी के स्टेशनों के लिए **10000/-** रुपये। **निविदा प्रपत्र मूल्य: रु. 590/-** (पांच सौ एवं नब्बे मात्र) प्रति निविदा प्रपत्र, **आवेदन पत्र जारी करने की अवधि:** दिनांक **26.08.2022** से **18.09.2022** समय **17.00** बजे तक सभी कार्यालय दिवस में। **आवेदन प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** दिनांक **19.09.2022** समय **15.00** बजे तक। **आवेदन पेटी को खोलने की अंतिम तिथि एवं समय:** दिनांक **19.09.2022** समय **15.30** बजे।

आवेदक अपना आवेदन सीलबंद लिफाफे में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/द.पू.म. रेलवे रायपुर को संबोधित करते हुए **19.09.2022** को **15.00** बजे तक आवेदन पेटी में जमा करें जो कि कार्यालय वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, डीआरएम कार्यालय संकुल, द.पू.म. रेलवे, निकट वाल्टेयर लेवल क्रासिंग गेट, आरवीएच कालोनी, रायपुर (छ.ग.) में रखा गया है।

किसी भी आवेदन के अंश भाग अथवा पूर्ण निविदा को बिना कारण बताए स्वीकार/ अस्वीकार करने का अधिकार रेल प्रशासन अपने पास रखती है। पात्रता मापदण्ड नियम व शर्तें और उपरोक्त कार्य के पूर्ण विवरण के लिए कृपया कार्यालय वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/ द.पू.म. रेलवे रायपुर में संपर्क कर सकते हैं एवं हमारी वेबसाइट www.secr.indianrailways.gov.in. पर उपलब्ध दस्तावेज/निविदा प्रपत्र देख व डाउनलोड कर सकते हैं। मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्यिक)

पीआर/आर/सी.डीसीएम/एएन/102 द.पू.म.रेलवे/रायपुर

South East Central Railway @secrail

Authorised For: SOMANY Wall & Floor Tiles
JOHNSON Not just tiles, Lifestyles.
orientbell tiles
All Size of Tiles, Granite and Sanitaries
SHRI BALAJI TILES
Krishna Talkies Road, SBI Building, Opp. Church, Risali, Bhilai-490006
Distt.-Durg (C.G.), Mo.-9518326808
E-mail:- balajitilescg@gmail.com

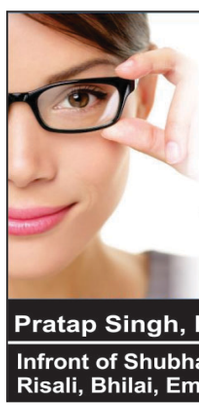
summer offer
on gogles flat 20% off
फ्री होम डिलेवरी
(निःशुल्क कम्प्यूटराईज नेत्र जांच)
BROTERS OPTICALS
You see We care
Pratap Singh, Mo. - 9589876064, 9589666143
Infront of Shubham Medical, Krishna Talkies Road, Risali, Bhilai, Email : brothersopticals1@gmail.com

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

आजादी के अमृत महोत्सव पर एकल प्रदर्शनी आयोजित

भिलाई। आजादी के अमृत महोत्सव पर एकल प्रदर्शनी का आयोजन स्वामी विवेकानंद हॉल स्मृति नगर भिलाई में किया गया। भिलाई इस्पात संयंत्र में सीनियर मैनेजर के पद पर कार्यरत आशीष कुमार दास द्वारा भारत के पुराने ऐतिहासिक डाक टिकट न्यूज़पेपर स्टैंप पेपर भारत की आजादी के जांबाज सिपाही से जुड़ी ऐतिहासिक धरोहर की प्रदर्शनी लगाई गई। डाक टिकट प्रदर्शनी के अवसर पर आशीष कुमार दास, प्रशांत कुमार क्षीरसागर, संतोष पराशर, ब्रह्मानंद राव, संजय ढोल, एलसी कश्यप, राजीव चौबे, गुड्डू ठेठवार, दत्ता चौधरी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। आशीष कुमार दास ने इस अवसर पर आयोजन की परिकल्पना पर प्रकाश डालते हुए आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई दी।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। शिक्षा सत्र 2022 - 23 में पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति में पंजीयन हेतु जिले में समस्त शासकीय व अशासकीय विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, पॉलीटेक्निक, आई.टी.आई. में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों से आनलाईन आवेदन आमंत्रित किया गया है। ऑनलाईन आवेदन के लिए वेबसाइट पर आवेदन कर सकते है। आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2022 तक निर्धारित किया गया हैं। विस्तृत जानकारी हेतु आदिवासी विकास विभाग कार्यालय दुर्ग से संपर्क कर सकते है।

भारतीय सेना में अग्निवीरों की भर्ती के लिए 3 सितंबर तक आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। भारतीय सेना में अग्निवीरों की भर्ती हेतु आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अग्निवीरों की भर्तियों में सामान्य ड्यूटी (जीडी), सामान्य ड्यूटी (अनुसूचित जनजाति), क्लर्क / स्टोर कीपर, तकनीकी, ट्रेडमैन (10वीं पास), ट्रेडमैन (8वीं पास) के पदों पर निर्धारित योग्यता वाले आवेदकों से आवेदन आंमत्रित किया गया है। ऑनलाइन आवेदन करने हेतु भारतीय सेना की वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर 03 सितंबर 2022 समय सायं 05.00 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते है।

श्री कंचि कामाक्षी माता मंदिर में बनेगा डोम शेड, विधायक देवेंद्र ने किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। श्री कंचि कामाक्षी माता मंदिर सेक्टर 5 में डोमशेड का निर्माण जल्द ही किया जाएगा। जिसका मंगलवार को भूमिपूजन किया गया। मंदिर प्रांगण में छत्तीसगढ़ अग्निकुल क्षत्रिय समाजम भिलाई द्वारा भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव मुख्यअतिथि रहे। विधायक देवेंद्र यादव ने विधि विधान के साथ मंत्रोचार कर समाज के प्रभुत्वजनों के साथ मिलकर भूमिपूजन किए। इस दौरान समाज के महासचिव बी पापा राव ने बताया कि नवरात्रि के अवसर पर जब मंदिर में पूजा अर्चना का आयोजन किया गया था। तब विधायक देवेंद्र यादव मंदिर आए थे। तभी आंधी तूफान आया और कार्यक्रम की पूरी व्यवस्था चौपट हो गई।

तब विधायक देवेंद्र यादव से समिति के लोगों ने डोमशेड निर्माण की मांग की थी। विधायक ने उसी दिन कहा था कि वे जल्द से जल्द मंदिर प्रांगण में डोमशेड का निर्माण कराएंगे। इसी कड़ी में आज भूमिपूजन कार्यक्रम किया गया। जल्द ही निर्माण कार्य भी शुरू किया जाएगा। इस अवसर पर विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि इस प्रांगण में जब-जब आने का अवसर मिला है, ऐसा लागत है कि यहीं रुक जाऊ। मंदिर की ऐसी भव्यता है कि मन नहीं होता जाने का। समाज के लोग थोड़ा-थोड़ा चंदा जमा करके मंदिर में काम करते हैं। लेकिन अब जल्द ही डोमशेड का निर्माण किया जाएगा।

यहाँ लाइट लगाने की जरूरत है। ताकि रात में पूजा पाठ व अन्य आयोजन किए जा सकें। एप्रोच रोड बनाने की जरूरी है, सौंदर्यीकरण की जरूरत है। धीरे धीरे सभी काम हम सब मिलकर करेंगे। माँ की सेवा जितनी कर सके उतना करना है। और लगातार करते रहना है,यह हम सब के आस्था का केंद्र है। सैकड़ों भक्त यहां आते हैं, अपनी भावना अपने मन की बातें मां के समक्ष रखते हैं। मां के आशीर्वाद से ही हम सब यहां है। मां के भक्तों की सुविधाओं के लिए काम करना है। इस अवसर पर लोककर्म प्रभारी एकांश बंछोर ने कहा कि आप लोगों के आशीर्वाद से भूमिपूजन किया गया। यहां बहुत से काम है। जिसे जल्द पूरा करने के लिए मैं विधायक से निवेदन करता हूं। हमें पूरा विश्वास है कि हमारे विधायक के प्रयासों से यहाँ का भी सौदर्यीकरण किया जाएगा।

इस अवसर पर समाज के पदाधिकारियों पुरूष और महिलाओं ने विधायक देवेंद्र यादव का पुष्प माला से स्वागत किया। स्वागत उपरांत समाज के अध्यक्ष पी गोपाल कृष्णा राव ने विधायक देवेंद्र यादव से कहा कि अभी तक जितने भी जनप्रतिनिधि देखे है,कोई उनके जैसा नहीं देखा। वे सब से अलग है। मिलानसार है। चाहे वे किसी को पहचानते हो या ना पहचानते हो पर वे सब से हस कर खुशी से मिलते है। उनकी समस्याओं को सूनते है और निदान करते हैं। उनकी विनम्रा, सहजता, सरलता, सेवाभाव सब को दिल को छू जाता है। उन्होंने समाज और मंदिर के लिए जो प्रयास किया है, उसके लिए पूरे समाज की ओर से आभार व्यक्ति किए।

इस अवसर पर केन्द्रीय समिति अध्यक्ष पी गोपाल कृष्णा,महासचिव वी . पापाराव, कोषाध्यक्ष आर. वासुदेव, उपाध्यक्ष वाई पापाराव, ए. श्रीनिवासराव, उप कोषाध्यक्ष वी कोटेश्वर राव,सचिव टी. कृष्णा राव,सह सचिव डी. जगपति राव, टी तुलसीदास, सेक्टर मंडल से एम. प्रकाश राव, ए. नागभुसन राव,वी प्रकाश राव ,वी कामता राव,जी. भानुमूर्ति कैंप मंडल,डी. उप्पल स्वामी,डी. नीलकंठ,के. तुल्सिराव, खुर्सीपार मंडल से वी. गणपति राव,पी. मल्लेश्वर राव,डी. वेंकटराव,जे. अप्पाराव,चरोदा मंडल से हेम जानकी राव,जे. कृष्णमूर्ति,डी. कृष्णा राव,छावनी मंडल बी. राजाराव, बी. राममूर्ति,जी. चंद्रप्रकाश, जे. माधवराव, पुराना मंडल से जे. शांता राव, टी. धर्माराव,के रुद्रैय्या,बी. मोहन राव, एस. गुरुमूर्ति, तोशू वर्मा,वाई शिवा,अभय सिंह आदि उपस्थित रहे।

घर बैठे प्राप्त करें 1 रुपए शुल्क के साथ भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र, निगम दफ्तर आने की आवश्यकता नहीं

श्रीकंचनपथ न्यूज

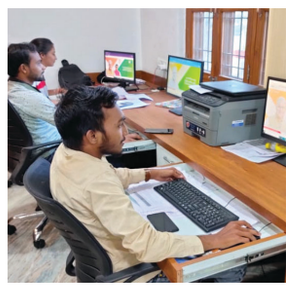

भिलाई। 5000 वर्ग फुट तक के आवासीय प्लाट के लिए भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए निगम दफ्तर आने की आवश्यकता नहीं है घर बैठे ही ऑनलाइन भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र प्राप्त किया जा सकता है और वह भी महज 1 सेकंड में 1 रुपए शुल्क के साथ। ऐसे हितग्राही जो भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र प्राप्त करना चाह रहे हैं वह सीधे निगम के पंजीकृत वास्तुविद के माध्यम से समस्त आवश्यक दस्तावेज के साथ www.bpms. suda cg.in में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। दस्तावेज की प्रविष्टि भी ऑनलाइन करनी होगी।

भवन मानचित्र का परीक्षण मानव हस्तक्षेप रहित सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जाएगा। प्राप्त आवेदनों पर विभाग के द्वारा आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण कर समस्त दस्तावेज सही पाए जाने पर 14 दिवस के भीतर आवासीय भवन निर्माण अनुज्ञा हेतु नियम अनुसार राशि की गणना कर ऑनलाइन डिमांड नोट आवेदक को जारी किया जाएगा जिसे वह दिए गए वेबसाइट पर सिटीजन पे के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान कर तुरंत रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अब तक 716 आवेदकों को भवन अनुज्ञा प्रणाली के माध्यम से भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र जारी किया जा चुका है। प्रत्यक्ष भवन अनुज्ञा प्रणाली के प्रारंभ होने से निगम दफ्तरों के अनावश्यक चक्कर काटने एवं भटकने से छुटकारा मिल रहा है।

वहीं जहां भवन अनुज्ञा के लिए आवेदन करने के बाद पहले उप अभियंता, सहायक अभियंता कार्यपालन अभियंता, जोन आयुक्त एवं भवन अनुज्ञा अधिकारी से होकर प्रकिया गुजरती थी, वह प्रक्रिया अब समाप्त हो गई है और सीधे भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र ऑनलाइन के माध्यम से मिल रहा है। इस प्रणाली की खास बात यह है की इस योजना से पारदर्शिता भी बनी रहेगी वहीं गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवार के लिए यह और अधिक लाभदायक साबित होगा, नौकरी पेशा वर्गों के लिए भी यह योजना वरदान है उन्हें अवकाश लेकर दफ्तरों के चक्कर काटने की आवश्यकता नहीं होगी।

यात्री प्रतीक्षालय बरसात और तेज गर्मी में यात्रियों को देगी राहत - गुरु रुद्र कुमार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। अहिवारा विधानसभा के विधायक एवं छत्तीसगढ़ शासन कैबिनेट मंत्री गुरु रूद्र कुमार ने नगर पालिका परिषद अहिवारा के वार्ड क्रमांक 11 में यात्री प्रतिक्षालय का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यात्री प्रतीक्षालय का निर्माण काफी सुंदर तरीके से कराया गया है। इसका निर्माण ऐसे स्थान पर करवाया गया है जहां लोगों का नियमित रूप से आना-जाना रहता है। यात्री प्रतीक्षालय बनने से लोगों को काफी राहत मिलेगी जोकि प्रतिदिन एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा करते हैं।यात्री प्रतिक्षालय में दूरदराज से आने वाले राहगीरों व आगंतुकों के लिए बेहतर बैठक व्यवस्था का इंतजाम किया गया है।

इसके साथ ही यात्री प्रतिक्षालय गर्मी व बरसात के मौसम में यात्रियों के लिए एक आश्रय का कार्य भी करेगी। साथ ही मंत्री ने वार्ड क्रमांक 13 में मंगल भवन आहाता कार्य का भूमिपूजन भी किया।

एक और उपलब्धि, दुर्ग शहर बना ओडीएफ प्लस-प्लस

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर निगम दुर्ग को एक और उपलब्धि मिली है। शहर ओडीएफ प्लस-प्लस का दर्जा केंद्र सरकार की स्वतंत्र एजेंसी के निरीक्षण के दौरान मिला है। खुले में शौच को बंद करने तथा सार्वजनिक स्थल सहित निगम क्षेत्र अंतर्गत सभी 60 वार्डों में घर-घर शौचालय बनाए जाने में दुर्ग निगम अव्वल रहा है।

इसी का परिणाम है कि ओडीएफ प्लस-प्लस शहर बन पाया है।ओडीएफप्लस-प्लस के कार्यों की जांच के लिए केंद्र सरकार की स्वतंत्र एजेंसी द्वारा दुर्ग क्षेत्र के हर कोने का निरीक्षण किया था। इसके लिए नगरीय प्रशासन विकास विभाग ने सभी निगम के आयुक्तों और नगर पालिका व नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को अल्टीमेटम देते हुए ओडीएफ प्लस प्लस के कार्यों को गंभीरता से लेने को कहा था। इस कार्य में दुर्ग निगम के स्वास्थ्य विभाग के साथ ही उपअभियंताओ व निगम कर्मचारियों द्वारा ओडीएफ प्लस प्लस के कार्यों की निगरानी में काम किया था। स्वच्छता सर्वेक्षण की तरह ओडीएफ प्लस प्लस भी एक सर्वेक्षण है। दुर्ग निगम के सामुदायिक शौचालयों की जांच अलग अलग कैटेगरी में केंद्र सरकार की स्वतंत्र जांच एजेंसी ने किया था। इसके आधार पर दुर्ग नगर निगम को रैंक मिला है। महापौर धीरज बाकलीवाल एवं आयुक्त प्रकाश सर्वे ने कहा कि दुर्ग क्षेत्र वासियों के सहयोग से ही ओडीएफ प्लस-प्लस का दर्जा मिल पाया है। महापौर व आयुक्त ने इसके लिए शहर वासियों को शुभकामनाएं दी है।

जल प्रदाय कार्य को देखने पहुंचे आयुक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। घरो तक पेयजल पहुंचाने रिसाली निगम क्षेत्र में चल रहे पाइप लाइन विस्तार कार्य का निरीक्षण आयुक्त आशीष देवांगन ने किया। निरीक्षण के दौरान जलकार्य विभाग प्रभारी चन्द्रभान सिंह ठाकुर व स्वास्थ्य विभाग प्रभारी गोविन्द चतुर्वेदी भी उपस्थित थे। आयुक्त ने 15 दिनों में कार्य पूर्ण करने निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि लगातार बारिश की वजह से कार्य बंद था। मौसम खुलते ही आयुक्त कार्यों की प्रगति देखने मौके तक पहुंचे। पाइप लाइन विस्तार कार्य का निरीक्षण करते आयुक्त आशीष देवांगन ने एजेंसी को 15 दिनों के भीतर पाइप लाइन बिछाने का कार्य पूर्ण करने कहा। आयुक्त ने कहा कि पाइन लाइन विस्तार कार्य पूर्ण होने के बाद ओवरहेड टैंक से जोड़ने का कार्य शुरू किया जाएगा। इस दौरान जलकार्य विभाग के प्रभारी इंजीनियर अखिलेश गुप्ता व गोपाल सिन्हा भी उपस्थित थे। जलकार्य विभाग के प्रभारी चन्द्रभान सिंह ठाकुर ने बताया कि पाइप लाइन विस्तार से लगभग 1000 घरों तक निगम पानी पहुंचा पाएगा। इसमें सार्वधिक लाभ वार्ड 29 लक्ष्मी नगर के नागरिकों को मिलेगा। उन्होंने बताया कि अन्य क्षेत्रों में पेयजल पहुंचाने अमृत मिशन टू के लिए कार्य योजना तैयार किया गया है। आवश्यकता को देखते हुए कलेक्टर ने इसके लिए 35.30 लाख रूपए उपलब्ध कराया है। इस राशि से 1080 मीटर पाइप लाइन बिछाने का कार्य चल रहा है।

75 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए खास तौर पर लिखा, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय बिरादरी ने सराहा

यूएनओ इंडिया हाउस जिनेवा में गूंजा भिलाई की बेटी सुस्मिता का गीत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इस्पात नगरी भिलाई की बेटी सुस्मिता बसु मजूमदार के खाते में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि आई है। सुस्मिता का लिखा गीत इस 15 अगस्त को देश की आजादी के अमृत महोत्सव पर जिनेवा (स्विटजरलैंड) स्थित संयुक्त राष्ट्र संघ कार्यालय के इंडिया हाउस में आयोजित समारोह में राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर की हस्तियों के बीच प्रदर्शित किया गया। 'साँसें तेरे ही नाम भारत माँ को प्रणाम' शीर्षक के इस गीत में सुस्मिता ने शुरुआती कमेंट्री की है और इस गीत को अपने स्वर व संगीत से शौर्य घटक ने सजाया है।

उल्लेखनीय है कि सुस्मिता ने इससे पहले बांग्लादेश की आजादी के 50 वें साल पर आयोजित समारोह के लिए भी गीत लिखा था, जिसे भारत और बांग्लादेश के प्रधानमंत्रियों की मौजूदगी में प्रख्यात शास्त्रीय संगीत के गायक उस्ताद अजय चक्रवर्ती ने गाया था। वहीं सुस्मिता ने वर्ष 2018 में अपने शहर भिलाई की पहचान को उकेरते हुए भिलाई एंथम भी रचा था। बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-10 की पूर्व स्टूडेंट सुस्मिता इन दिनों कोलकाता विश्वविद्यालय में इतिहास की प्राध्यापक हैं।

सुस्मिता ने बताया कि देश की आजादी के अमृत महोत्सव को ध्यान में रखते हुए उन्होंने इस विशेष गीत की रचना की थी। भिलाई स्टील प्लांट के ऊर्जा प्रबंधन विभाग में पदस्थ रहे तपन कुमार बोस की बेटी सुस्मिता बसु ने बताया कि जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र संघ और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के लिए भारत के स्थायी मिशन द्वारा आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए वहां इंडिया हाउस में ध्वजारोहण समारोह में यह वीडियो प्रस्तुति प्रदर्शित की गई।

जिसमें जिनेवा में प्रवासी भारतीयों सहित 300 से अधिक सदस्यों के मध्य संयुक्त राष्ट्र संघ और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में भारत के स्थायी प्रतिनिधि इंद्रमणि पांडे ने ध्वजारोहण किया। इसके अलावा संयुक्त राष्ट्र संघ के स्थायी मिशन द्वारा 15 अगस्त की शाम को आयोजित स्वागत समारोह में भी यह वीडियो प्रदर्शित किया गया था, जिसमें 400 से अधिक विशिष्ट अतिथि शामिल हुए थे।

भिलाई के बाद इन दिनों कोलकाता में निवासरत सुस्मिता ने अपनी इस उपलब्धि पर कहा कि वह शौकिया तौर पर प्रोफेशनल तरीके से लिखती रही हैं। उनकी कोशिश रही है कि, जो भी काम करें, उसे पूरी लगन और निष्ठा से अंजाम दें। सुस्मिता कहती हैं- कभी सोचा नहीं था कि मेरी लिखी कविता मेरी ही आवाज में संयुक्त राष्ट्र संघ में दुनिया भर के अति विशिष्ट लोगों के बीच में गूंजेगी वो भी अपने देश के लिए। मेरा लिखा हुआ गीत सबको इतना पसंद आएगा ये भी कभी नहीं सोचा था। यह सब जान कर बहुत अच्छा लग रहा है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950